दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

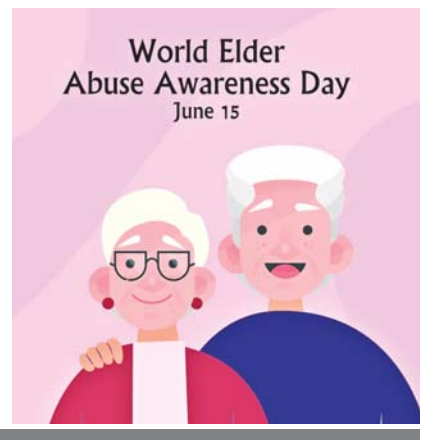

वर्ष 52/ अंक 294/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 15 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

गुजरात के तापी में उद्घाटन के पहले ही गिर गया पुल

तापी। बिहार के भागलपुर में गंगा नदी पर निर्माणाधीन पुल गिरने की घटना के कुछ दिन बाद ही गुजरात के तापी जिले में मिंधोला नदी पर एक नवनिर्मित पुल बुधवार 14 जून की सुबह ढह गया। इस पुल का अभी उद्घाटन भी नहीं हुआ था. प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह हादसा सुबह करीब 6.30 बजे हुआ, जब वालोद तालुका के मायपुर गांव को व्यारा तालुका के देहगामा गांव से जोडने वाले नवनिर्मित पुल का मध्य भाग मिंडोला नदी में गिर गया. इस पुल के टूटने से करीब 15 गांव प्रभावित हुए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस पुल का निर्माण पूरा हो चुका था और बस इसके उद्घाटन का इंतजार था. इस पुल का निर्माण कार्य 2021 में शुरू हुआ था, जिस पर 2 करोड़ रुपये की लागत आई थी. विशेषज्ञों से जांच कराकर पुल के गिरने के कारणों का पता लगाया जाएगा।

वहीं अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में मुताबिक, तापी के जिला कलेक्टर विपिन गर्ग ने कहा, पुल वर्तमान में काम नहीं कर रहा था. हमने घटना की जांच के आदेश दिए हैं और इस्तेमाल की गई सामग्री की गुणवत्ता की भी पूरी तरह से जांच की जाएगी। दरअसल यहां स्थानीय लोगों से बातचीत में सामने आया कि पुल के निर्माण के दौरान इसकी गुणवत्ता पर सवाल खड़े हुए थे और इसे लेकर ठेकेदार के साथ बहस भी हुई थी. उन लोगों ने बताया कि उसी जगह पर पहले एक छोटी पुलिया थी, लेकिन वह मानसून के मौसम में नदी में डूब जाता था. ऐसे में लोगों ने स्थानीय नेताओं और राज्य सरकार से अपील की थी, जिसके बाद वर्ष 2021 में इस नए पुल का निर्माण शुरू हुआ था।

इससे पहले हाल ही में बिहार के भागलपुर में अगुवानी-सुल्तानगंज पुल टूट गया था. इस पुल का निर्माण गंगा नदी पर भागलपुर और खगडिया़ जिलों को जोडने़ के लिए किया जा रहा था. इसे बनाने में 1,770 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई थी।

केंद्र द्वारा 4 आईपीएस अधिकारियों की नई पदस्थापना, आदेश जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 4 आईपीएस अधिकारियों की नई पदस्थापना संबंधी आदेश जारी किए हैं। हरियाणा कैडर के 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी अभिषेक जोरवाल को नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी में 5 साल के लिए एसपी नियुक्त किया गया है।

महाराष्ट्र कैडर के 2015 बैच की आईपीएस अधिकारी रगसुधा को एसवीपी नेशनल पुलिस अकैडमी में 5 साल के लिए असिस्टेंट डायरेक्टर पद पर नियुक्ति दी गई है। हरियाणा कैडर के ही 2011 बैच के अधिकारी राजेंद्र कुमार मीणा को ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट में 5 साल के लिए एसपी नियुक्त किया गया है। महाराष्ट्र कैडर के 2015 बैच के आईपीएस अधिकारी अतुल विकास कुलकर्णी को ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट बीपी आरएंडडी में 5 साल के लिए एसपी नियुक्त किया गया है।

ऑनलाइन आधार अपडेट करने पर अब देना होगा चार्ज, जानिए अब कितने भरने पड़ेंगे पैसे?

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 10 साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट करना अनिवार्य कर दिया है। ऐसे में अगर आपका आधार कार्ड 10 साल पुराना हो गया है, तो आपको आधार अपडेट कराना होगा। 14 जून तक आधार कार्ड अपडेट फ्री में करा सकते थे, लेकिन आज (15 जून) से इसमें शुल्क लगने लगेगा। हालांकि सरकार फ्री में अपडेट कराने की समय सीमा बढ़ा भी सकती है, लेकिन अब तक ऐसी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

उपभोक्ता अपनी सुविधा के हिसाब से आधार को ऑनलाइन और ऑफलाइन अपडेट करा सकते हैं। अब तक ऑफलाइन अपडेट पर 50 रुपये का चार्ज देना होता था, जबकि ऑनलाइन आधार अपडेट को निशुल्क रखा गया था। अब इसकी समय सीमा 14 जून को खत्म हो गई है। ऐसे में अब आधार को ऑनलाइन या ऑफलाइन अपडेट कराने पर आपको चार्ज देना पड़ेगा।

15 जून से पुराने आधार अपडेट कराने पर आपको अनिवार्य रूप से 50 रुपए फीस देनी होगी। यूआईडीएआई की तरफ से 15 मार्च से 14 जून तक ऑनलाइन आधार को अपडेट करना फ्री किया हुआ था। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, अभी भी करोड़ों आधार कार्ड अपडेट नहीं हुए हैं। ऐसे में कार्ड अनुपयोगी हो सकता है।

कैसे ऑनलाइन आधार को करें अपडेट

आधार की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएं। फिर टॉप में माय आधार ऑप्शन मौजूद होगा, जिस पर क्लिक करें। फिर आपको अपडेट आधार सेक्शन पर विजिट करना होगा। इसके बाद यूजर्स को आधार नंबर और सिक्योरिटी कोड डालना होगा। फिर रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजकर वेरिफिकेशन किया जाएगा। इसके बाद एड्रेस, फोन नंबर, नाम या डेट ऑफ बर्थ की डिटेल देनी होगी। फिर कुछ डॉक्यूमेंट की हार्ड कॉपी को अपलोड करना होगा। इसके बाद कंफर्म और सब्मिट बटन पर क्लिक करना होगा। इसमें ऑनलाइन पेमेंट भी करना होगा। इस तरह आपका ऑनलाइन आधार अपडेट हो जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह से मुख्यमंत्री शिवराज ने दिल्ली में भेंट की

नई दिल्ली। दिल्ली में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भेंट की। मुख्यमंत्री चौहान ने अमित शाह से प्रदेश के विकास , कानून एवं व्यवस्था पर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने आज प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मध्यप्रदेश दौरे को लेकर तैयारी बैठक को संबोधित किया।

गुजरात की ओर तेजी से बढ़ रहा चक्रवाती तूफान

कई राज्यों में रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली। उत्तर भारत के राज्य इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप झेल रहे हैं कई इलाकों में पारा 43 से 45 डिग्री तक दर्ज किया जा रहा है. वहीं, चक्रवाती तूफान बिपरजॉय अभी से अपना असर दिखा रहा है। मुंबई से लेकर केरल के तट तक समंदर में तूफानी लहरें उठ रही हैं। आज यानी 15 जून (गुरुवार) चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के असर से कई राज्यों में भारी बारिश की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं. मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) की मानें तो आज यानी 15 जून को चक्रवात के चलते गुजरात के कच्छ, द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, मोरबी, राजकोट और जूनागढ़ में तबाही की आशंका है. कच्छ, पोरबंदर, अमरेली, गिर सोमनाथ, द्वारिका जिले के सभी स्कूल आज भी बंद हैं।

चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के पूर्वोत्तर दिशा में बढ़ने और शाम तक सौराष्ट्र और कच्छ को पार करने की उम्मीद है. जो जखाऊ बंदरगाह (गुजरात) के पास मांडवी और पाकिस्तान के कराची के बीच बहुत ही गंभीर चक्रवात में तब्दील होकर लैंडफॉल कर सकता है. इस दौरान 130 से 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग का अलर्ट

मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले 48 घंटे में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. इसका सबसे ज्यादा असर 17 जून को दिखाई दे सकता है, जिससे प्रदेश में भारी बारिश के साथ तेज हवाओं का दौर देखने मिलेगा. हालांकि विभाग के अनुसार ऐसी स्थिति पहली बार बन रही है जब जून माह में इस तरह का तूफानी चक्रवात प्रदेश में दस्तक दे रहा है. चक्रवात को लेकर बीएसएफ और आपदा प्रबंधन की टीमें तैनात कर दी गई है।

इन राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग के अनुसार आज सौराष्ट्र और कच्छ, असम, सिक्किम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के तटीय क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है. वहीं, गुजरात तट से दूर पूर्वोत्तर अरब सागर के ऊपर बहुत तेज हवाएं चल सकती हैं. इसी के साथ,तटीय कर्नाटक और केरल में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक या दो स्थानों पर भारी बारिश संभव है. कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों, आंतरिक तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और उत्तर-पूर्वी बिहार में भी हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

हमारी सरकार सौदे से चली गई: कमलनाथ

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा है कि, हमारी सरकार सौदे से गई। मुझे प्रशासन बदलना था। बहुत सारे अधिकारियों में चर्बी चढ़ी हुई थी। मैंने जब किसानों के कर्ज माफ करने की बात कही, तब वे (अधिकारी) तैयार नहीं थे। उस समय मैं भी मुख्यमंत्री था, मैं भी सौदा कर सकता था, लेकिन मैं मध्यप्रदेश की पहचान सौदे से नहीं बनाना चाहता था।

कमलनाथ गुरुवार को भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मध्यप्रदेश कांग्रेस नगर एवं ग्राम रक्षा समिति के प्रांतीय सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने कहा, %आज मध्यप्रदेश में गांव से लेकर मंत्रालय तक भ्रष्टाचार है। हमारी 15 महीने की सरकार थी। इसमें साढ़े तीन महीने का समय सभा, चुनाव, आचार संहिता में गया। साढ़े 11 महीने में कांग्रेस ने अपनी नीति और नीयत का परिचय दिया। कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर कहा, 18 साल बाद शिवराज सिंह को बहनें याद आ रही हैं। किसान याद आ रहे हैं। उनका खाना हजम नहीं होता, जब तक वे झूठ न बोल लें। शिवराज रोज घोषणाएं करते हैं। मैं उन्हें नाचने-गाने और बोलने में नहीं हरा सकता, लेकिन सच्चाई में हरा सकता हूं। उन्होंने आज पिछड़ा वर्ग कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही कमलनाथ संदेश यात्रा को हरी झंडी दिखाई।

बृजभूषण को क्लीन चिट, दिल्ली पुलिस बोली- कोई सबूत नहीं मिले

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को एक हजार पेज की दो चार्जशीट रॉउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल कीं। एक चार्जशीट 6 पहलवानों के आरोपों पर दाखिल की गई। वहीं, दूसरी नाबालिग के यौन शोषण के मामले में 550 पन्नों की क्लोजर रिपोर्ट है। इस मामले में पुलिस से बृजभूषण को क्लीनचिट मिल गई है। चार्जशीट में असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर का नाम भी है।

दरअसल, 7 महिला पहलवानों ने 21 अप्रैल को दिल्ली पुलिस में बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत की थी। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने 28 अप्रैल को दो मामले दर्ज किए थे। पहला मामला 6 बालिग महिला पहलवानों की शिकायत पर था, जबकि एक केस नाबालिग की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

नाबालिग पहलबान के बयान बदलने से पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दी

नाबालिग पहलवान के केस में दिल्ली पुलिस ने कैंसिलेशन रिपोर्ट में कहा, %जांच में यौन शोषण के कोई सबूत नहीं मिले हैं। इसलिए इस केस को बंद कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस की प्रवक्ता सुमन नलवा ने बताया कि हमने शिकायतकर्ता यानी पीड़िता के पिता और स्वयं पीड़िता के बयानों के आधार पर मामले को रद्द करने के लिए कोर्ट से अपील की है।

दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके के कोचिंग सेंटर में लगी आग, खिड़की से कूदे बच्चे, चार घायल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके के कोचिंग सेंटर में आग लगी है। मौके पर दमकर की 11 गाड़ियां पहुंच गई हैं। कोचिंग सेंटर की तीसरी मंजिल पर आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग लगने के बाद कोचिंग सेंटर में मौजूद छात्र रस्सी कूद कर जान बचाते हुए दिखे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आ गया है। जिसमें देख सकते हैं कि कैसे एक के बाद एक छात्र रस्सी से नीचे बाहर की तरफ लटके हुए हैं और नीचे की तरफ एक के बाद एक कूद रहे हैं। कोचिंग सेंटर के चार छात्र घायल बताए जा रहे हैं।

अयोध्या में मांस-मदिरा की बिक्री बंद होने के संकेत!

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अयोध्या में मांस और मदिरा के सेवन पर प्रतिबंध लगाने की योजना पर काम शुरू कर दिया। बुधवार को अयोध्या आये मुख्यमंत्री ने इस बात के संकेत भी दिए। उन्होंने कहा कि यह एक धार्मिक नगरी है, इसलिए जन भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। यहां मांस और शराब का सेवन प्रतिबंधित होना चाहिए। तपस्वी जी की छावनी के संत परमहंस ने भी अयोध्या में मांस-मदिरा की बिक्री पर रोक लगाने की मांग के साथ राष्ट्रपति को पत्र लिखा था।

भगवान राम की जन्मस्थली और धर्मनगरी अयोध्या में मांस-मदिरा पर रोक लग सकती है। छावनी के संत परमहंस ने अयोध्या में मांस-मदिरा की बिक्री पर रोक लगाने की मांग के साथ राष्ट्रपति को पत्र लिखा था। राष्ट्रपति भवन ने इसे गंभीरता से ले लिया है। राष्ट्रपति भवन से एक पत्र एसएसपी कार्यालय पहुंचा है। इस पत्र में समुचित कार्रवाई के लिए लिखा गया। संत परमहंस दास ने 2018 में अयोध्या और मथुरा में मांस-मदिरा की बिक्री प्रतिबंधित करने की मांग उठाई थी।

लव जिहाद और मतांतरण को लेकर दिग्विजय-नरोत्तम के बीच बयानी जंग

भोपाल। विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आने के साथ प्रदेश में सियासत गरमा रही है। इन दिनों लव जिहाद और मतांतरण जैसे मसलों को लेकर खूब सियासी बयानबाजी हो रही है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जिहाद की व्याख्या करते हुए प्रवचन करने वाले बाबाओं को ढोंगी करार दिया हैं। कुछ ऐसे ट्वीट किए, जिस पर सियासी पारा चढ़ गया है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि दिग्विजय जिहाद की अपनी परिभाषा आइएसआइ,

अलकायदा, पीएफआइ, सिमी जैसे संगठनों को क्यों नहीं समझाते। दिग्विजय जैसे नेताओं को सनातन का अपमान करने की आदत हो गई है।

दिग्विजय सिंह ने गुरुवार को कुछ ट्वीट किए, जिसमें उन्होंने लिखा कि अज्ञानी सनातन धर्म विरोधी आरएसएस के स्वयंसेवकों और वीएचपी के बाबाओं को जिहाद का क्या मतलब होता है, यह समझाओ। दिग्विजय ने अपने अगले ट्वीट में लिखा कि जिहाद एक अरबी शब्द है। जिसका अर्थ है प्रयत्न करना नैतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए की जाने वाली ज़द्दोज़हद या संघर्ष। किसी जायज मांग के लिए भरपूर कोशिश करना या आंदोलन और जिसका मतलब मेहनत और मशक्?कत करना भी है। दिग्विजय यहीं नहीं रुके। उन्होंने अगले सवाल किया कि क्या पढ़ाई व रोज़गार में मेहनत और मशक़्क़त करना भी जिहाद है? क्या करें जब अनपढ़ लोग शक्तिशाली पदों पर पहुंच जाते हैं। फ्राड बाबा लोग सनातन धर्म पर प्रवचन करने लगते हैं तो क्या देश व सनातन धर्म विनाश की ओर नहीं जायेगा?

नरोत्तम ने किया पलटवार

दिग्विजय सिंह की जिहाद व्याख्या पर पलटवार करते हुए गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि क्या अद्भुत व्याख्या दी है। दिग्विजय सिंह जी, आपने जिहाद की अपनी परिभाषा कभी आइएसआइ, अलकायदा, पीएफआइ, सिमी जैसे संगठनों को समझाई? आपको बस आदत बन गई है सनातन धर्म का अपमान करने की, इस पर हमला करने की। कल ही भोपाल में पंडित प्रदीप मिश्रा ने लव जिहाद को लेकर बच्चियों को संस्कार की बात कही थी। सुरक्षा की बात पर भी उन्होंने बोला। आपको यह बात इतनी अखर गई कि सुबह ही आपने संतों को ढोंगी करार दे दिया। मैं कमल नाथ जी, प्रियंका जी से सवाल पूछना चाहता हूं जो धर्म का चोला ओढ़कर आते हैं कि जो दिग्विजय ने सनातनी संतों के बारे में बोला है, इस आपत्तिजनक बयान को क्या आप सही मानते हैं। अगर सही मानते हैं तो हां कहें और अगर नहीं मानते हैं तो उन पर कार्रवाई करें। लेकिन ये तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं इसलिए ये मौन ही रहेंगे।

स्व. कैलाश सारंग और स्व. प्रसून सारंग की स्मृति में आयोजित शिव महापुराण कथा के अंतिम दिन उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

भक्ति का मार्ग दोष समाप्त करने का माध्यम भी: पं. प्रदीप मिश्रा

हर नागरिक पर्यावरण-संरक्षण, बेटी बचाओ, गो-सेवा, पानी-बिजली की बचत और नशामुक्त समाज के लिए कार्य करें: शिवराज सिंह चौहान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रत्येक नागरिक समाज हित में कुछ कार्य जरूर अपनाए। उन्होंने आहवान किया कि नागरिक अपने जन्म-दिन, विवाह वर्षगाँठ और परिवार के दिवंगत सदस्य की स्मृति में पौधा लगाने, गो-सेवा के लिए समय एवं अर्थ का दान देने, बेटियों के प्रोत्साहन, पानी एवं बिजली की बचत और नशा मुक्त समाज के लिए कार्य करे, जिससे हम अपने प्रदेश को अलग पहचान दें सके। मुख्यमंत्री चौहान बुधवार को करोंद क्षेत्र में प्रख्यात कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की पाँच दिवसीय शिव महापुराण कथा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शिव महापुराण कथा, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग और समाजसेवियों के सहयोग से स्व. कैलाश सारंग और स्व. प्रसून सारंग की स्मृति में की गई। मुख्यमंत्री चौहान ने स्व. कैलाश सारंग और श्रीमती प्रसून सारंग के प्रति श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। उन्होंने पंडित अनंतविभूति आचार्य महामंडलेश्वर पदनाभशरणदेवाचार्य महाराज को भी नमन किया।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री चौहान ने पर्यावरण को बचाने के लिए प्रतिदिन पौधा लगाने का अभिनव कार्य किया है। उनका यह संकल्प अनुकरणीय है। मध्यप्रदेश में गो-रक्षा और मूक प्राणियों के उपचार के लिए एम्बुलेंस व्यवस्था की शुरूआत भी अनोखा कदम है। पंडित मिश्रा ने मुख्यमंत्री चौहान के शिव महापुराण कथा आने पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की उपासना और भक्ति का मार्ग नागरिकों के दोष समाप्त करने का माध्यम भी है। सभी का यह प्रयास होना चाहिए कि हमारे जीवन में आनंद का प्रकाश हो। मुख्यमंत्री चौहान ने पंडित मिश्रा के भक्ति गायन पर डमरू बजाकर आस्था और प्रसन्नता व्यक्त की।

मुख्यमंत्री चौहान ने कार्यक्रम स्थल पहुँचकर सर्वप्रथम प्रख्यात कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री चौहान ने व्यास पीठ का नमन किया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि यहाँ भक्तों का समुद्र उमड़ पड़ा है। पंडित प्रदीप मिश्रा ने मध्यप्रदेश और देश को शिवमय बना दिया है। आपने भक्ति रस की अदभुत गंगा बहाई है। भगवान भोले शंकर की अर्चना का अपना महत्व है। भगवान शिव उन सभी को भी स्वीकार करते और आशीर्वाद देते हैं, जिन्हें सभी ने त्याग दिया है। उन्होंने लोक कल्याण के लिए विषपान किया। भगवान शिव की कृपा कैसे हो, यह बताने का कार्य पंडित प्रदीप मिश्रा कर रहे हैं। हमारी पृथ्वी अदभुत है। मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य परमात्मा की प्राप्ति है। भगवान शिव की कृपा सभी पर बरसे, यही प्रार्थना है। ज्ञान मार्ग के साथ भक्ति मार्ग और कर्म मार्ग आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति अपना दायित्व ईमानदारी से पूर्ण करें, यह आवश्यक है।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि पंडित प्रदीप मिश्रा के साथ पौधा लगाने का सौभाग्य मिला है। पंडित जी ने भी पर्यावरण-संरक्षण का संदेश दिया है। मुख्यमंत्री चौहान ने शिव महापुराण कथा सुनने एकत्र हुईं लाखों बहनों और नागरिकों को प्रणाम करते हुए कहा कि हम सभी को बेटियों को आगे बढ़ाना है। राज्य सरकार ने कन्या विवाह, लाड़ली लक्ष्मी एवं लाड़ली बहना योजना और स्थानीय निकायों में बहनों को आरक्षण देकर उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य किया है। बेटियों के सम्मान को आँच पहुँचाने वालों को दंडित किया जा रहा है। साथ ही मध्यप्रदेश में मूक प्राणियों के बीमार होने पर एम्बुलेंस की व्यवस्था भी प्रारंभ की गई है। बैल, गाय, बछिया आदि बीमार हों, तो उन्हें अस्पताल ले जाने में अब कठिनाई नहीं होगी। हर आत्मा, परमात्मा का अंश है। एक ही चेतना सभी में व्याप्त है।

बहन-बेटी पर गलत दृष्टि डालने वाले को फांसी पर चढ़ा देंगे : शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्रद्धालुओं से कहा कि प्रदेश में किसी भी बहन-बेटी पर कोई गलत दृष्टि डालेगा तो उसे फांसी के फंदे पर चढ़ा दिया जाएगा। हमने ऐसा कानून बनाया है। राजनीति से लेकर अन्य क्षेत्रों में महिलाओं को बढ़ावा देने के लिए 50 प्रतिशत महिला आरक्षण कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रदेश की भी शराब दुकान के आस-पास कोई आहता संचालित नहीं होगा। हुक्का लाउंज बार भी पूरी तरह से बंद कर दिए गए हैं। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने मातृ-पितृ भक्ति की एक बड़ी मिसाल पेश की है जिसमें उन्होंने महा शिवपुराण कथा कराई। जिससे सुनने लाखों श्रद्धालु जुटे। उन्होंने स्वर्गीय कैलाश नारायण सारंग और उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय प्रसून सारंग को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय सारंग जी मेरे राजनैतिक गुरू रहे हैं। उन्होंने मुझे राजनीति के मार्ग पर चलने का रास्ता दिखाया।

जिला न्यायालय स्थापना के कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर किया विरोध प्रदर्शन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जिला न्यायालय स्थापना भोपाल की कर्मचारियों द्वारा काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया गया मध्य प्रदेश न्यायिक कर्मचारी संघ के आह्वान पर पूरे मध्यप्रदेश की समस्त जिला न्यायालय कर्मचारियों ने अपने साथी ने कर्मचारी विपिन दोहरे के साथ अभद्र भाषा का व्यवहार करते हुए दुर्व्यवहार किए जाने को लेकर यह प्रदर्शन किया गया मध्य प्रदेश न्यायिक कर्मचारी संघ के प्रांतीय महासचिव नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि जिला न्यायालय स्थापना भिंड तहसील लहार में पदस्थ न्यायिक अधिकारी कौस्तुभ खेरा द्वारा उनके न्यायालय में पदस्थ एक कर्मचारी विपिन दोहरे के साथ दुर्व्यवहार एवं मारपीट की गई जिस के संबंध में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने संबंधी आवेदन पत्र दिया गया एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय को भी अवगत कराया गया 5 दिन बीतने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं करने पर रजिस्टार जनरल उच्च न्यायालय जबलपुर को प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने एवं विभागीय कार्रवाई की मांग की गई महासचिव नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि उचित कार्रवाई ना होने की दशा में मध्यप्रदेश न्यायिक कर्मचारी संघ द्वारा आंदोलन किया जाएगा।

पीसीपीएनडीटी समिति की बैठक 17 को

भोपाल । पी.सी.पी.एन.डी.टी समिति की बैठक शनिवार, 17 जून को सायं 4 बजे सिविल सर्जन जय प्रकाश चिकित्सालय, भोपाल में आयोजित की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि बैठक में डॉ. राकेश श्रीवास्तव सिविल सर्जन जयप्रकाश चिकित्सालय, डॉ. नितिन पटेल रेडियोलाईजिस्ट, जय प्रकाश चिकित्सालय, डॉ.के.सी. रायकवार नोडल अधिकारी पीसीपीएन डीटी स्थानीय कार्यालय भोपाल, डॉ. स्मिता सक्सेना शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. ज्योति खरे, स्त्री रोग विशेषज्ञ, जयप्रकाश चिकित्सालय, राजेन्द्र उपाध्याय जिला अभियोजन अधिकारी, डॉ. नीता जैन पैथोलाईजिस्ट जयप्रकाश चिकित्सालय, डॉ. रणधीर सिंह सचिव नर्सिंग होम एसोसिएशन, डॉ. शैलेष लुणावत प्रतिनिधि रेडियोलाइजिस्ट, डॉ. मुदिता जैन सचिव फार्मेसी, सुनील सोलंकी जिला महिला एवं बाल विकास और श्रीमती अर्चना सहाय संचालक सहाय चाइल्ड लाइन भोपाल से उपस्थित होने की अपील की गई है।

आउटसोर्स लाइन कर्मियों को जोखिम भत्ते के आदेश

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत 16 जिलों में आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से कार्यरत एक हजार 200 लाइनकर्मियों को प्रतिमाह एक हजार रूपये जोखिम भत्ते का भुगतान किया जाएगा। इस संबंध में कंपनी द्वारा लाइन कर्मियों को माह मई के जोखिम भत्ते का भुगतान माह जून के वेतन के साथ भुगतान करने के आदेश जारी कर दिये हैं। प्रबंध संचालक ने कहा है कि इस योजना के लागू होने से आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से कार्यरत लाइनकर्मियों की कार्यकुशलता में वृद्धि आएगी वहीं दूसरी ओर कंपनी के राजस्व औरइन्फ्रास्ट्रक्चर में भी सुधार परिलक्षित होने से उपभोक्ता संतुष्टि में भी वृद्धि होगी ।

जनपद पंचायत की बैठक में पीएचई के खिलाफ वीडियो दिखाकर सदस्यों ने किया हंगामा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जनपद पंचायत फंदा की साधारण सभा की बैठक बुधवार 14 जून 2023 को जनपद कार्यालय के सभाकक्ष में अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के प्रारंभ में जनपद सीईओ शंकर नामदेव ने बैठक के एजेंडे को रखते हुए अध्यक्ष की अनुमति से बैठक शुरू की। पीएचई विभाग के अधिकारी एई असगर अली के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पीएचई विभाग द्वारा किए जा रहे जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्यों को बताना शुरू किया इसी दौरान जनपद उपाध्यक्ष मलखान सिंह ठाकुर ने टोकते हुए कहा कि ग्राम पंचायत अचारपुरा की पठार में पानी की टंकी लाखों रुपए से बनाई गई पानी का कोई स्रोत नहीं है टैंकरों से टंकी भर कर 10 मिनट चलाकर ग्रामीणों को बताया इसके बाद टकी सूखी पड़ी है आप लोगों ने सरकार की योजना को पलीता लगाते हुए क्षेत्र की जनता के साथ धोखा किया है योजना में लाखों रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है इसकी जांच होना चाहिए इसके साथ सभी सदस्यों ने खड़े होकर पीएचई विभाग के खिलाफ गुस्सा प्रकट करते हुए अधिकारियों को घेरा अध्यक्ष एवं सीओ ने बार-बार सदस्यों को समझा कर बैठाने का प्रयास किया। सदस्यों का कहना है कि गांव में जनता प्यासी मर रही है पीएचई विभाग अपनी मनमर्जी से कार्य कर रहा है। इसी दौरान ग्राम पंचायत खुरचनी की सरपंच कविता बंटी वर्मा भी बैठक में पहुंची अपनी पंचायत में पानी की समस्या को लेकर पीएचई विभाग को घेरते हुए कहा कि टंकी 15 मिनट से ज्यादा नल नहीं चलते हैं और आज तक वह बंद पड़ी है पीएचई विभाग हमारी साहब सुनता ही नहीं है पीएचई विभाग के अधिकारियों ने सदस्यों को बहुत समझाने का प्रयास किया सदस्य हंगामा करते रहे। अध्यक्ष प्रमोद राजपूत ने सरकार द्वारा चलाई जा रही लाडली बहना योजना एवं लाडली लक्ष्मी योजनाओं की समीक्षा की। अध्यक्ष प्रमोद राजपूत ने शिक्षा विभाग से पूछा कि नए शत्र प्रारंभ हो रहा है तथा शिक्षा प्रोत्साहन योजना को लेकर शिक्षा विभाग की क्या तैयारी है शिक्षा विभाग के अधिकारी रविंद्र जैन ने नए शात्र के बारे में की गई तैयारियों को विस्तार से बताया। आरोग्य केंद्र एवं स्वास्थ्य केंद्रों की गतिविधियों की समीक्षा भी की गई। खरीफ सीजन में खाद बीज किसानों के लिए उपलब्ध हो सरलता से किसानों को मिले इसको लेकर अधिकारियों को अध्यक्ष ने निर्देश दिए। साधारण सभा की बैठक में अध्यक्ष प्रमोद राजपूत, मलखान सिंह ठाकुर उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य आरती यादव, संतोष प्रजापति एवं सभी विभागों के अधिकारी एवं जनपद सदस्य उपस्थित थे।

सनशाइन कोचिंग ने टैलेंट सेरेमनी में 100 मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

संत हिरदाराम नगर। गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए विगत 10 वर्षों से कार्यरत गांधी नगर स्थित सनशाइन कोचिंग क्लासेस के बोर्ड क्लासेस और स्कूल के अव्वल आये विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए बुधवार को टैलेंट सेरेमनी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा, सिस्टेक प्रिंसीपल डॉ. मनीष बिल्लोरे उपस्थित थे। संस्था ने बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए कोचिंग समेत आसपास के करीब 100 विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों के साथ शिल्ड, शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया। संचालक सूरज नामदेव ने बताया कि हर साल ऐसे विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा दी जाती है जो बहुत गरीब वर्ग से है और अच्छे अंक लाकर नाम

रोशन करते है। इस साल भी 10वीं और 12वीं के 50 से अधिक बच्चों को 100 प्रतिशत स्कॉलशिप दी जाएगी। विधायक रामेश्वर शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि संस्था गरीब तबके के बच्चों को शिक्षा देने का उत्तम कार्य कर रही है इसलिए बच्चों की शिक्षा के लिए 10 हजार रूपए की राशि मेरी ओर से दी जाएगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों को चिन्हित करें जो बहुत गरीब है उन्हें जुलाई में कार्यक्रम आयोजित करके स्कूल बैग दिया जाएगा। बच्चे शिक्षा ग्रहण करके प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। इसके लिए सभी मिलकर भरपुर प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के दौरान कैलेंडर का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद राजू मीणा, वार्ड 2 की पार्षद कुसुम चर्तुवेदी, भाजपा नेता विकास मारण, मण्डल अध्यक्ष योगेश वासवानी सहित कई उपस्थित थे।

टीवीएस मोटर कंपनी ने अपने इलेक्ट्रिफिकेशन सफर को और अधिक मज़बूत किया

भोपाल। दोपहिया और तिपहिया वाहनों की विश्व स्तर पर एक प्रतिष्ठित विनिर्माता, टीवीएस मोटर कंपनी ने सस्टेनेबल फ्यूचर मोबिलिटी सोल्यूशन्स के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करना जारी रखा है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के भारत सरकार के दृष्टिकोण और देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को तेजी से अपनाने और समग्र इलेक्ट्रिक वाहन पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को सक्षम बनाने के टीवीएस मोटर के प्रयासों के अनुरूप यह कदम उठाया गया है।

टीवीएस मोटर कंपनी के इलेक्ट्रिक वेहिकल्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री मनु सक्सेना ने कहा, टीवीएस मोटर देश में हो रहे ईवी ट्रान्सफॉर्मशन का नेतृत्व कर रही है। अपने इलेक्ट्रिफिकेशन सफर में टीवीएस आई क्यूब ने पिछले वित्तीय वर्ष में अपनी स्कूटर्स की श्रेणी में 1,00,000 यूनिट्स की बिक्री का पड़ाव पार किया है जो कंपनी के संतुष्ट उपभोक्ताओं के समुदाय में हो रही वृद्धि को दर्शाता है।

टीवीएस मोटर्स की ग्राहक केंद्रित रहने की प्रतिबद्धता के अनुरूप, कंपनी टीवीएस आई क्यूब के उन उपभोक्ताओं के लिए एक लॉयल्टी बेनिफिट प्रोग्राम प्रस्तुत करेगी, जिन्होंने 20 मई, 2023 तक बुकिंग की है। यह योजना सीमित अवधि तक ही लागू रहेगी। फेम द्वितीय सब्सिडी में संशोधन के बाद लागत का बोझ कम हो यह कंपनी का उद्देश्य है। इसके अतिरिक्त, 1 जून, 2023 से नई बुकिंग पर फेम 2 में सब्सिडी का पूरा बोझ न उठाते हुए ग्राहक नई कीमतों का लाभ उठा सकते हैं। फेम द्वितीय सब्सिडी के बाद 1 जून, 2023 से टीवीएस आई क्यूब की कीमतों में 17,000 से 22,000 रुपयों तक की वृद्धि होगी।

एचडीएफसी बैंक मध्यभारत में करेगा टू-व्हीलर लोन मेले का आयोजन

भोपाल। भारत का अग्रणी निजी क्षेत्र का बैंक एचडीएफसी 16 जून 2023 को मध्य भारत में बड़ा टू-व्हीलर लोन मेला अभियान का आयोजन करने जा रहा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 250 से अधिक शाखाएँ इस ड्राइव में भाग लेगी. जहाँ टू व्हीलर डीलर शाखाओं पर मौजूद होंगे ताकि वे ग्राहकों को अपनी गाड़ियों का प्रदर्शन कर सकें, बैंक पात्र ग्राहकों को यहाँ जल्द से जल्द लोन देगा। एचडीएफसी बैंक के टू-व्हीलर लोन मेला ड्राइव का उद्देश्य है कि लोगों तक टू-व्हीलर फाइनेंस की पहुंच आसान हो सके। भाग लेने वाली शाखाओं में कुछ चयनित टू -व्हीलर और उनके इन्क्वारी डेस्क होंगे. शाखाओं में आने वाले ग्राहक दोपहिया वाहनों की टेस्ट राइड ले सकते हैं और लोन विकल्प का चयन कर मौके पर ही वाहन बुक कर सकते हैं।

अध्ययन: 80 प्रतिशत से अधिक टीआईआर वाले डायबिटीज से पीड़ित लोग आईसीयू में बिताते है कम समय

भोपाल। हाल ही में प्रकाशित अखिल भारतीय कन्सेंसस पेपर से पता चलता है कि कॉन्टिन्युअस ग्लूकोज मॉनीटरिंग उपकरणों से जनरेट टाइम-इन-रेंज डेटा एक शक्तिशाली मेट्रिक है जिसका उपयोग डायबिटीज से पीड़ित लोग अपने ग्लाइसेमिक नियंत्रण को सुचारू रखने और सही निर्णय लेने के लिए कर सकते हैं टीआईआर उस समय का प्रतिशत भाग होता है जब किसी व्यक्ति का ग्लूकोज मान अनुशंसित लक्ष्य सीमा के भीतर होता है और ग्लूकोज लेवल में गतिशील उतार चढ़ाव को कैद करने में प्रभावी होता है।

डॉ. प्रशांत सुब्रमण्यम, चिकित्सा मामलों के प्रमुख उभरते एशिया और भारत एबट डायबिटीज केयर ने कहा का कहना है जीवन बदलने वाली तकनीक और नवाचार के साथ डायबिटीज की देखभाल में बहुत विकास हुआ है कॉन्टिन्युअस ग्लूकोज मॉनिटरिंग उपकरण भारत में डायबिटीज प्रबंधन को बेहतर कर सकते हैं ग्लूकोज रीडिंग के साथ लोगों को सशक्त बना सकते हैं टाइम इन रेंज जैसे मेट्रिक्स के साथ अनूठी जानकारी प्रदान कर सकते हैं यह लोगों को सही मार्गदर्शन करने वाले रुझानों से अवगत करा सकता है जहाँ अपने ग्लूकोज के स्तर को बेहतर ढंग से नियंत्रण में रखने के लिए अपनी जीवनशैली या उपचार में सही समय पर सही फैसला लेने में उन्हें मदद मिलेगी।

डॉ. मयूर अग्रवाल, डायरेक्टर, हॉर्मोन इंडिया डायबिटीज एंड एंडोक्राइन सेंटर, अपोलो भोपाल ने कहा, भारत में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी डायबिटीज से ग्रसित लोगों की आबादी है, इसलिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि डायबिटीज से पीड़ित लोग अपने उपचार और अपनी स्थिति को बेहतर ढंग से और प्रबंधित करने के लिए उपलब्ध उपकरणों का उपयोग कैसे कर सकते हैं। कॉन्टिन्युसअस ग्लूकोज मॉनिटरिंग जैसे विकल्प बेहतर प्रबंधन को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। इस तरह के समाधान महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वह व्यक्तिगत और कार्रवाई योग्य जानकारी के साथ अपने ग्लाइसेमिक नियंत्रण को बेहतर बनाने में अधिक लोगों की मदद करते हैं ताकि वह एक बेहतर जीवन जी सकें।

आज, पहले से कहीं ज्यादा डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए नई मॉनिटरिंग तकनीकें उपलब्ध हैं। कॉन्टिन्यु अस ग्लूकोज मॉनिटरिंग उपकरणों के आने से, लोग देख सकते हैं कि उनके ग्लूकोज का स्तर ऊपर या नीचे चल रहा है या नहीं, और इन्हीं रुझानों से वह उनके भोजन और व्यायाम के बारे में समझदारी से निर्णय लेते हैं। बार-बार उंगली में प्रिक कराने से राहत देने के अलावा, सीजीएम उपकरण किसी व्यक्ति के डायबिटीज पर नियंत्रण को निर्धारित करने में भी सहायक होते हैं। 70मिलीग्राम/डीएल और 180मिलीग्राम/डीएल के बीच टाइम इन रेंज में बिताए गए समय के भाग को देखकर जिसे अक्सर स्वीट स्पॉट के रूप में जाना जाता है व्यक्ति यह समझ सकता है कि डाइट, भोजन और दवाओं का ग्लूकोज नियंत्रण पर कैसे असर होता है। अक्सर, प्रत्येक दिन में लगभग 17 घंटे या 70 प्रतिशत एक सही टारगेट समय होता है ।

मप्र में रातें भी गर्म, दो दिन और पड़ेगी तेज गर्मी

भोपाल। मानसून की एंट्री से पहले मध्यप्रदेश में दिन और रात दोनों ही तप रहे हैं। जून में खजुराहो में दिन का पारा 45 डिग्री के आंकड़े को छू चुका है, जबकि दतिया, दमोह टीकमगढ़, उमरिया, रीवा, नौगांव और ग्वालियर की रातें सबसे गर्म हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने 15 जून की रात में भी टेम्प्रेचर के बढ़ने का अनुमान लगाया है। खासकर टीकमगढ़-उमरिया में तापमान ज्यादा रहेगा। धार, बालाघाट और रतलाम में लू जैसी स्थिति है। छतरपुर के खजुराहो और नौगांव में भी गर्म हवाएं चल रही हैं।

दिन-रात पड़ रही भीषण गर्मी से 17 जून के बाद ही थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, क्योंकि राजस्थान में मौसम बदलेगा। इसका असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिलेगा। 15 और 16 जून को भी तेज गर्मी वाला मौसम रहेगा। हालांकि, तेज गर्मी के बीच प्रदेश के कई शहरों में मौसम का मिजाज बदला हुआ रहेगा। गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। बादल छाए रह सकते हैं। भोपाल में बुधवार शाम 7 बजे तेज बारिश हुई।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अरब सागर में उठे चक्रवात बिपरजॉय ने प्रदेश से सारी नमी खींच ली है। इस कारण प्रदेश में मौसम साफ है और गर्मी का असर है। दूसरी ओर, राजस्थान भी गर्म है। इस कारण वहां से गर्म हवाएं मध्यप्रदेश में आ रही है। सीमा के जिलों में गर्मी का असर ज्यादा है। तूफान पाकिस्तान के रास्ते राजस्थान में जाएगा। वहां पर 16-17 जून को बारिश होने के आसार है। इस कारण मध्यप्रदेश में भी मौसम बदलेगा। गर्म हवाएं ठंडी हवाओं में बदल जाएगी। गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी।

9 शहरों में न्यूनतम तापमान 30 डिग्री के पारन हवा में नमी नहीं होने के कारण मध्यप्रदेश की रातें भी गर्म हैं। प्रदेश के 9 शहरों में न्यूनतम तापमान बुधवार रात 30 डिग्री के पार पहुंच गया। दतिया, नौगांव में यह 32 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। सतना, खजुराहो में 31.6, तो रीवा में 31.5 डिग्री दर्ज हुआ। मलाजखंड में 21.6, पचमढ़ी में 23.8 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा।

पानी की टंकी बना दी, लेकिन जल का स्रोत ही नहीं, जनपद की बैठक में हंगामा

भोपाल। जिले की ग्राम पंचायतों में पीएचई विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों में किस कदर लापरवाही बरती जा रही है, इसका एक नमूना ग्राम पंचायत अचारपुरा में देखने को मिला। यहां पीएचई के अधिकारियों ने नई बनाई गई पानी की टंकी में टैंकरों से पानी भरकर उसे अधिकारियों के सामने 10 मिनट चलाकर दिखा दिया। इसके बाद से अब तक टंकी सूखी पड़ी हुई है और ग्रामीण भीषण गर्मी में पेयजल के लिए परेशान हो रहे हैं। पीएचई द्वारा ग्रामीणों के साथ किए जा रहे इस छल का खुलासा बुधवार को जनपद पंचायत फंदा की साधारण सभा की बैठक में उपाध्यक्ष मलखान सिंह ठाकुर ने किया है। बैठक में जनपद पंचायत फंदा के अध्यक्ष प्रमोद राजपूत, जनपद सदस्य, विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

पीएचई विभाग के अधिकारी असगर अली ने बैठक में जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों को जैसे ही बताना शुरू किया तो उपाध्यक्ष मलखान सिंह ठाकुर ने उन्हें आड़े हाथ लेते हुए कहा कि ग्राम पंचायत अचारपुरा की पठार पर लाखों रुपये से जो पानी की टंकी बनाई है, उसमें जलापूर्ति करने का कोई स्त्रोत ही नहीं हैं। दिखावे के लिए टंकी में टैंकरों से पानी भरकर चलाकर दिखा दिया और अब वह पूरी तरह से सूखी पड़ी हुई है। पीएचई के अधिकारी ग्रामीणों के साथ धोखा कर रहे हैं और सरकार की योजनाओं को पलीता लगाते हुए भ्रष्टाचार कर रहे हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। उपाध्यक्ष की इस बात का बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने समर्थन किया। इस दौरान फंदा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शंकर नामदेव सदस्यों को आश्वासन देते रहे।

सदस्यों का कहना है कि गांव की जनता भीषण गर्मी में पानी के लिए तरस रही है और पीएचई विभाग मनमर्जी कर रहा है। कई पंचायतों में पानी की लाइन बिछाने के लिए सड़कें खोद डाली हैं, जो अब तक नहीं बनाई गई है। वहीं ग्राम पंचायत खुरचनी की सरपंच कविता वर्मा ने बताया कि पानी की टंकी सिर्फ देखने के लिए बनी है। नल आते ही नहीं हैं, अधिकारी सुनते नहीं हैं। पंचायतों में विकास के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। हाल बेहाल बने हुए हैं।

अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस पर रेडक्रास की जिला इकाइयों में होगा योग

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को भारतीय रेडक्रास सोसायटी द्वारा जिला इकाईयों में योग कार्यक्रम किये जावेंगे। यह बात रेडक्रास के जनरल सेक्रेटरी श्री प्रदीप त्रिपाठी ने कही। श्री त्रिपाठी ने बताया कि रेडक्रास राज्य शाखा की प्रबंध समिति के चेयरमैन डॉ.गगन कोल्हे, वाईस चेयरमैन श्री भरत झंवर एवं कोषाध्यक्ष के मागर्दशन में अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेश की सभी जिला रेडक्रास ईकाईयों में योग कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने कहा अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून पर योग कार्यक्रम किये जाने को लेकर समस्त जिला रेडक्रास इकाईयों को पत्र भेजें गये हैं साथ ही आज समस्त जिला रेडक्रास के सचिवों एवं प्रबंध समिति के सदस्यों के साथ वर्चुअल बैठक की गई जिसमें 33 जिलों के अधिकारियों ने भाग लिया। उन्हें उक्त दिवस पर अपने-अपने जिलों में 21 जून को योग दिवस पर स्वास्थ सेवा में योगा की भूमिका को ध्यान में रखते हुए रेडक्रॉस के उद्देश्यों को प्रभावशीलता एवं एक नया आयाम के माध्यम से कार्यक्रम किया जाने की बात कही। वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता डॉ. गगन कोल्हे, रेडक्रॉस राज्य शाखा के चेयरमैन द्वारा की गई। उन्होंने रेडक्रॉस इकाइयों के उपस्थित पदाधिकारियों/अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज विश्व रक्तदाता दिवस है जो रेडक्रास पूरे विश्व में मनाया जाता है हमारी सभी जिला शाखाओं में भी इस दिवस पर विभिन्न जगहों पर रक्तदान शिविर आयोजित किये गये हैं साथ ही ऐसे रक्तदाता जिन्हें कई बार रक्तदान किया है उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु सम्मान किया जाता है। डॉ.गगन कोल्हे चेयरमैन रेडक्रास ने कहा कि रेडक्रास द्वारा सभी प्रदेश की जिला शाखाओं एवं उप शाखाओं में 21 जून अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस पर योग कार्यक्रम आयोजित जायें। इस वर्ष यह 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है जिस की थी वन वर्ल्ड, वन हेल्थ रखी गई है जो वसुधैव कुटुम्बकम के आधार पर रखी गई है। रेडक्रॉस के बैनर तले सभी जिला इकाइयों में युवा वर्गों की विशेष भूमिका के साथ कार्यक्रम किये जायें। इस दिवस पर योग कार्यक्रम के दौरान माननीय राज्यपाल महोदय/प्रेसीडेंट म.प्र. रेडक्रास द्वारा संदेश प्रेषित किया जायेगा, जिसे कार्यक्रम आयोजन के पश्चात पढ़ा जायेगा। बैठक के दौरान रेडक्रॉस सोसायटी राज्य शाखा के पदाधिकारी वाइस चेयरमैन भरत झंवर खंडवा एवं कोषाध्यक्ष शशांक श्रीवास्तव कटनी के द्वारा भी सभी जिला इकाइयों के पदाधिकारियों/अधिकारयों को संबोधन किया।

रेडक्रास के जनरल सेकेटरी श्री प्रदीप त्रिपाठभ् ने बताया कि आज विश्व रक्तदाता दिवस पर रेडक्रास की सभी इकाईयों सहित रेडक्रास राज्य शाखा के ब्लड बैंक द्वारा भी विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किये गये।

सशस्त्र सीमा बल चंदूखेडी में रक्तदान शिविर आयोजित

भोपाल । सशस्त्र सीमा बल अकादमी चंदुखेडी में आज 14 जून 2023 बुधवार को विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में उप महानिरीक्षक एवं डॉ0 रिकू डे, कमांडेंट (चिकित्सा), सशस्त्र सीमा बल अकादमी सोमित जोशी के साथ हमीदिया अस्पताल भोपाल के साझा सहयोग से एक रक्तदान शिविर अकादमी चिकित्सालय में आयोजित किया गया। रक्तदाता दिवस मनाने की शुरूआत विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2004 में की थी, तब से हर वर्ष रक्तदान को बढ़ावा देने एवं रक्तदाता का आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 14 जून को रक्तदाता दिवस के रूप मनाया जाता है। इस वर्ष रक्तदाता दिवस की थीम है रक्त दो, प्लाज्मा दो, जीवन साझा करों एवं अक्सर साझा करों । इस अवसर पर उप महानिरीक्षक / कार्यवाहक निदेशक, सशस्त्र सीमा बल अकादमी भोपाल सोमित जोशी, कमांडेंट (प्रशिक्षण) सशस्त्र सीमा बल अकादमी अजीत सिंह राठौड़, तथा 39 अन्य कार्मिकों ने कुल 41 यूनिट रक्तदान किया गया।

विश्व वायु दिवस- वायु धारणा मुद्रा का अभ्यास बुढ़ापा और मृत्यु का नाश करती है - योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर आने वाले साधकों को यौगिक शरीर विज्ञान के बारे में बताया जाता है हमारा शरीर पांच तत्वों से बना है जिसमे वायु तत्व का बहुत महत्व है।

इस अवसर पर योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि दुनियाभर 15 जून को विश्व वायु दिवस मनाया जाता है,यह एक विश्वव्यापी कार्यक्रम है, इस दिन का उद्देश्य पवन ऊर्जा और इसके उपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। पवन ऊर्जा के महत्व और यह कैसे दुनिया को बेहतर बना सकता है, इसके लिए दुनिया भर में यह दिन मनाया जाता है। ये सोचना भी नामुकिन ला लगता है कि बिना हवा के जिंदगी कैसे होगी। हवा है तो जिंदगी है। आज भी दुनियाभर के वैज्ञानिक कई अन्य ग्रहो पर वायु की तलाश में लगे हैं।

वाल्मी में आयोजित युवा उत्सव में दिखी भारत की सांस्कृतिक विविधता

युवाओं को मुश्किलों से लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए: प्रज्ञा ठाकुर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने एवं युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से नेहरू युवा केंद्र भोपाल द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी का आयोजन वाल्मी में किया गया, जिसमें भोपाल जिले के 200 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। युवा उत्सव का शुभारंभ भोपाल लोकसभा की सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर एवं नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, वाल्मी के अधिकारी विकास अवस्थी, सारिका सिंह,शर्मिला बारीक़,राज्य निदेशक डॉ सुरेंद्र शुक्ला, शुभम चौहान तामोट की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश की बागडोर युवाओं के हाथ में है, इसलिए युवाओं को मुश्किलों से लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। प्रधानमंत्री ने बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए परीक्षा पर चर्चा जैसे कार्यक्रम प्रारंभ किए। युवा ही देश के कर्णधार हैं। प्रधानमंत्री जी ने स्किल डेवलपमेंट के कई कार्यक्रम प्रारंभ किए, जिसके माध्यम से युवाओं की प्रतिभा को तराशने का काम किया जा रहा है। उन्होंने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि आज महिलाएँ स्वदेशी उत्पादों को तैयार कर आत्मनिर्भर बन रही हैं जो सभी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में सभी की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है, आव्हान करते हुए कहा कि सभी युवा अपनी जिम्मेदारियों को पहचाने और सकारात्मक परिवर्तन में अपनी भूमिका निभाएं। भारतीय संस्कृति को आत्मसात करते हुए हमें आगे बढ़ना है, आज प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत लगातार उन्नति के पथ पर अग्रसर है। विशिष्ट अतिथि श्री किशन सूर्यवंशी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा उत्सव जैसे कार्यक्रम युवाओं के व्यक्तित्व विकास में परिवर्तन लाते हैं, आज के समय में आवश्यक है कि युवा राष्ट्र निर्माण में सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से सक्रिय भागीदारी निभाएं।

एनआईआरएफ रैंकिंग: रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि प्रदेश में लगातार पांचवें वर्ष यूनिवर्सिटी रैंकिंग हासिल करने वाला एकमात्र निजी विवि

भोपाल। शिक्षा मंत्रालय भारत शासन की नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की इंडियन रैंकिंग 2023 की हाल ही में माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने घोषणा की है। मध्य प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एक मात्र विश्वविद्यालय है जिसने लगातार पांचवे वर्ष देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में अपना स्थान बनाया है। इस वर्ष यूनिवर्सिटी रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने 151-200 रैंक बैंड में स्थान हासिल किया है। रैंकिंग का निर्धारण विभिन्न पैरामीटर्स के आधार पर किया जाता है। जिसमें टीचिंग, लर्निंग व रिसोर्सेस, रिसर्च एण्ड प्रोफेशनल प्रैक्टिस, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरीच एण्ड इनक्लूसीविटी और परसेप्शन शामिल है।

एनआईआरएफ की रैंकिंग पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि यह गौरव की बात है कि विश्वविद्यालय देश के चुनिंदा शीर्ष संस्थानों में लगातार पांचवें वर्ष शामिल हुआ है। यह प्रदेश के लिये भी एक बड़ी उपलब्धि है। आईसेक्ट के एग्जिक्यूटिव वाईस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, विश्वविद्यालय की प्रो-चांसलर डॉ. अदिती चतुर्वेदी वत्स एवं कुलपति प्रो. ब्रम्हप्रकाश पेठिया ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार सकारात्मक कार्य करते रहना ही सफलता का सूत्र है। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विजय सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय को एनआईआरएफ के पैरामीटर्स में अच्छे अंक हासिल हुए हैं। इस वर्ष हमने विश्वविद्यालय की रैंकिंग में 151-200 रैंक बैंड में स्थान हासिल किया है। अब हमारा उद्देश्य है कि आगामी वर्षों में विश्वविद्यालय देश के टॉप 100 संस्थानों में अपनी जगह बनाए। आईक्यूएसी के निदेषक श्री नितिन वत्स ने कहा कि इस सफलता के लिये सभी छात्र, शिक्षक और पूरी टीम बधाई की हकदार है। कौशल विकास, ई-लर्निंग, उद्यमिता, कला एवं संस्कृति, स्पोर्ट्स, शोध और नवाचार पर हमारा विशेष फोकस है।

एम्स में पोस्टमार्टम माइक्रोबायोलॉजी की सुविधा शुरू

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

यह फोरेंसिक मेडिसिन की एक उप-विशेषता है जिसे एम्स भोपाल में प्रोफेसर अरनीत अरोड़ा, प्रोफेसर और फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग के प्रमुख के मार्गदर्शन में एम्स भोपाल में शुरू किया गया है। मेडिको लीगल ऑटोप्सी संबंधी जांच के हिस्से के रूप में यह उप-विशेषता भारत में कहीं और मौजूद नहीं है। मृतक में सूक्ष्मजैविक स्थिति के बारे में जानकारी जोड़ने से मामले की जांच में और मृतक के परिवार को मृतक की मृत्यु के कारण के बारे में अधिक सटीक और विस्तृत जानकारी प्रदान करने में सहायक होता है। पोस्ट मॉर्टम माइक्रोबायोलॉजी का अर्थ है कि मृतक के शरीर में रोगाणुओं की उपस्थिति और संक्रमण की उपस्थिति की खोज करना। यह माइक्रोबियल स्थिति और मृत्यु के समय व्यक्ति के संक्रमण की स्थिति को दर्शाता है। यह शाखा यूरोप के देशों और अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों में मौजूद है और संक्रमण, सेप्टीसीमिया और व्यक्ति और समुदाय में दवा प्रतिरोधी जीवों की उपस्थिति के कारण होने वाली मौतों का पता लगाने में उपयोगी है।

प्रोफेसर अरनीत अरोड़ा को दुनिया में पोस्ट मॉर्टम माइक्रोबायोलॉजी के एकमात्र संगठन ESCMID-ESGFOR की सदस्यता प्राप्त की है यूरोपियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इंफेक्शियस डिजीज - स्टडी ग्रुप फॉर फॉरेंसिक माइक्रोबायोलॉजी के लिए एक यूरोपीय संगठन है। पोस्ट मॉर्टम माइक्रोबायोलॉजी में ESCMID-ESGFOR द्वारा हाल ही में पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनिंग में, मार्च 2023 में, कार्यक्रम के लिए एम्स भोपाल से 4 प्रस्तुतियाँ स्वीकार की गईं, प्रस्तुत की गईं और आयोजकों द्वारा सराहना की गई। ये प्रस्तुतियां डॉ अरनीत अरोड़ा, डॉ जयंती यादव, डॉ मृणाल पटनायक और डॉ सिबी विजया कुमार ने दी। इंस्टीट्यूशनल ह्यूमन एथिक्स कमेटी से अनुमोदन की उचित प्रक्रिया के बाद और अनुसंधान प्रतिभागियों के परिजनों से सहमति लेने के बाद पोस्ट मॉर्टम माइक्रोबायोलॉजी पर एक इंट्रा म्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट को 2022 में विभाग द्वारा अनुमोदित और संचालित किया गया था।

एम्स भोपाल में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के सहयोग से फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग मेडिको लीगल ऑटोप्सी मामलों में पोस्ट मॉर्टम माइक्रोबायोलॉजी (पीएमएम) सेवाएं प्रदान करता है और संक्रमण से संबंधित मौतों की समझ में एक नया आयाम जोड़ा है।

डॉ. वरुण मल्होत्रा ने ईएलएमओ परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की

भापेाल। डॉ. वरुण मल्होत्रा, अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विभाग, एम्स भोपाल ने 90.43त्न के उत्कृष्ट स्कोर के साथ यूरोपीय जीवन शैली चिकित्सा संगठन (ईएलएमओ) परीक्षा उत्तीर्ण करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है । यह उल्लेखनीय उपलब्धि एक स्वस्थ जीवन शैली और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए डॉ. मल्होत्रा के समर्पण, विशेषज्ञता और प्रतिबद्धता को उजागर करती है । यूरोपियन लाइफस्टाइल मेडिसिन ऑर्गनाइजेशन, बेल्जियन लाइफस्टाइल मेडिसिन ऑर्गनाइजेशन (क्चरुरुह्र) के सहयोग से, स्वास्थ्य पेशेवरों को जीवनशैली चिकित्सा में आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया आठ सप्ताह का ऑनलाइन कार्यक्रम प्रदान करता है । यह साक्ष्य-आधारित कार्यक्रम विभिन्न यूरोपीय जीवन शैली चिकित्सा संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा समर्थित है, जो एक व्यापक और पूर्ण शैक्षिक अनुभव सुनिश्चित करता है । एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. डॉ. अजय सिंह ने डॉ. वरुण मल्होत्रा को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी। प्रो. डॉ. अजय सिंह ने लाइफ़स्टाइल मेडिसिन के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए डॉ. मल्होत्रा की असाधारण प्रतिबद्धता और रोगियों को साक्ष्य-आधारित देखभाल प्रदान करने के उनके समर्पण को मान्यता दी ।

एम्स भोपाल ने विश्व रक्तदाता दिवस का आयोजन किया

एम्स भोपाल ने विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से आज विश्व रक्तदाता दिवस का उत्सव धूमधाम से मनाया। इस कार्यक्रम में समुदाय से अद्भुत प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 100 स्वैच्छिक रक्तदाता रक्तदान के लिए आगे आए और 300 व्यक्तियों ने स्वैच्छिक रक्तदाता के रूप में पंजीकरण करवाया।

सचेतता बढ़ाने और स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने के लिए एम्स भोपाल के रक्त केंद्र ने कई रोचक गतिविधियों का आयोजन किया। इनमें स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व को प्रमोट करने के लिए छोटे रील्स बनाने का कार्य शामिल था, साथ ही पोस्टर और स्लोगन बनाने के लिए प्रतियोगिताएं भी हुईं। प्रतिभाशाली प्रतिभागियों के सृजनात्मक प्रयासों ने कार्यक्रम में जीवंतता डाली और समुदाय में रक्तदान के संदेश को फैलाने में मदद की। एम्स भोपाल ने इस कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले कई स्वैच्छिक संगठनों का आभार प्रकट किया द्ब इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस, सार्थक सेवा केंद्र, नेशनल मेडिकोस संगठन, इंडिया केयर हेल्प ग्रुप और मध्यांचल विश्वविद्यालय इन ही संगठनों में से कुछ हैं, जो रक्तदान करने आए और इस महान कार्य में सक्रियता से हिस्सा लिया।

स म्पा द की य

शिंदे बनाम देवेंद्र और सुप्रिया की नई भूमिका

क्या महाराष्ट्र में भाजपा और शिंदे सेना के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है? क्या आगामी चुनाव में बड़ी दिक्कत आने वाली है? ऐसे कई सवाल यहां की राजनीति में लगातार उठ रहे हैं। दो दिन पहले ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना की ओर से अखबारों में दिए गए एक विज्ञापन ने हलचल और तेज कर दी है। यह विज्ञापन सरकार और सत्तारूढ़ गठबंधन के गले की हड्डी बनता दिख रहा है।

पहले बात विज्ञापन की। विज्ञापन में लिखा गया था- राष्ट्र में मोदी, महाराष्ट्र में शिंदे सरकार। पूरे पेज के इस विज्ञापन में फोटो भी सिर्फ मोदी और शिंदे की है, जबकि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस गायब हैं। विज्ञापन में एक हालिया सर्वे के हवाले से बताया गया है कि राज्य के 26.1 प्रतिशत लोग एकनाथ शिंदे और 23.6 फीसदी लोग देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद पर देखना चाहते हैं। राजनीतिक हलकों में इसे शिंदे गुट की ओर से प्रदेश बीजेपी नेतृत्व को दरकिनार करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। बीजेपी ने इस पर खुलकर विरोध भले न जताया हो, पर नाराजगी तो जताई ही है। महाराष्ट्र विकास आघाड़ी से अलग हुए इस ग्रुप को तत्कालीन परिस्थितियों का फायदा उठाने की गरज से भले ही बीजेपी ने काफी अहमियत दे दी हो, लेकिन व्यावहारिक रूप में देवेंद्र फडणवीस ही राज्य में उसका प्रमुख चेहरा हैं। 2019 के चुनावों में बीजेपी ने नारा दिया था- केंद्र में नरेंद्र, महाराष्ट्र में देवेंद्र।

ऐसे में इसे देवेंद्र फडणवीस को दरकिनार करने की कोशिश कहा जा सकता है और बीजेपी इसे स्वीकार नहीं कर पाएगी। विज्ञापन में बाला साहेब ठाकरे समेत उन तमाम नेताओं की तस्वीरें भी गायब थीं, जिन्हें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत उस ग्रुप के सभी नेता अपनी प्रेरणा का स्रोत बताते रहे हैं। जाहिर है, शिंदे और उनके सहयोगी अपने ही लोगों के निशाने पर भी आ सकते हैं। इसीलिए, अगले दिन कुछ अखबारों में शिंदे की ही शिवसेना की तरफ से एक और विज्ञापन छपा, जिसमें बालासाहेब ठाकरे और आनंद दिघे की तस्वीरें हैं और देवेंद्र फडणवीस भी मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। मगर जो नुकसान होना था, वह पहले ही हो चुका। और निश्चित तौर पर शिंदे फडणवीस के निशाने पर आ गए होंगे। सत्तारूढ़ गठबंधन के दोनों धड़ों का आपसी विरोध जो अब तक परदे के पीछे था, वह इस रूप में बाहर आया कि किसी खंडन का कोई मतलब नहीं रह गया है। पिछले दिनों शिंदे के बेटे का भी एक बयान काफी चर्चाओं में रहा, जिसमें एक तरह से भाजपा को चेतावनी दी गई थी। यानि कहीं न कहीं उठापटक तो चल ही रही है और सत्तारूढ़ गठबंधन के दोनों प्रमुख धड़ों के बीच की केमिस्ट्री सवालों के घेरे में आ गई है।

दूसरी तरफ एनसीपी चीफ शरद पवार ने फिर एक चाल चलते हुए पार्टी में दो नए कार्यकारी अध्यक्षों की घोषणा कर दी और नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपने की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी। पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर उन्होंने बेटी सुप्रिया सुले को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के साथ महाराष्ट्र जैसे अहम राज्य का प्रभारी भी बनाया। कहने को प्रफुल्ल पटेल भी कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए हैं, लेकिन यहां दो बातें गौर करने लायक हैं। एक तो यह कि पटेल को गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की जिम्मेदारी दी गई है, जहां पार्टी की कोई मजबूत मौजूदगी नहीं है। दूसरी बात यह कि सुप्रिया सुले को पार्टी की सेंट्रल इलेक्शन अथॉरिटी की कमान भी दी गई है।

कुल मिलाकर देखा जाए तो इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है कि शनिवार को लिए गए फैसलों के जरिए पार्टी अध्यक्ष शरद पवार ने सुप्रिया सुले को सबसे अहम भूमिका सौंपी है। इन्हीं फैसलों का दूसरा और उतना ही अहम पक्ष यह है कि पवार के भतीजे और हाल तक उनके उत्तराधिकारी के रूप में देखे जा रहे अजित पवार को कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी नहीं दी गई है। हालांकि महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का महत्वपूर्ण पद उनके पास पहले से है और पार्टी के महाराष्ट्र से जुड़े मामलों में सबसे मजबूत आवाज भी उन्हीं की मानी जाती है। लेकिन अब सुप्रिया सुले के महाराष्ट्र प्रभारी बनने के बाद अजित पवार असहज हो सकते हैं।

पार्टी में अब सुप्रिया सुले का दर्जा स्पष्ट रूप से अजित पवार से ऊपर हो गया है। इसके बावजूद अजित पवार ने किसी तरह के असंतोष या नाराजगी के संकेत नहीं दिए हैं, जिससे ऐसा लगता है कि कम से कम तत्काल उनकी तरफ से इस फैसले को कोई चुनौती नहीं दी जाने वाली। हालांकि इससे यह नहीं माना जा सकता कि अजित पवार कमजोर पड़ गए हैं। राज्य में आज भी संगठन पर उनका दबदबा कायम है। देखना होगा कि सुप्रिया सुले नई भूमिका को कितनी कुशलता से अंजाम दे पाती हैं और अजित पवार से उनका कितना और कैसा तालमेल बन पाता है। पार्टी का भविष्य और महाराष्ट्र में काफी हद तक विपक्ष का प्रदर्शन भी इस बात पर निर्भर करेगा। साथ ही कांग्रेस व अन्य महाविकास अघाड़ी के घटकों से भी उन्हें तालमेल बैठाकर चलना होगा। अंदरूनी बात कुछ भी हो, लेकिन पवार के इस फैसले को आगामी चुनावों के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

साँच कहै ता...सच के शीर्षासन पर झूँठ का झंडा

जयराम शुक्ल

हमारे शहर में पुराने जमाने के खाँटी समाजवादी नेता हैं- दादा कौशल सिंह। खरी-खरी कहने में उनका कोई सानी नहीं। बात-बात में वे एक डायलॉग अक्सर दोहराते हैं - बड़ी अमसा-खमसी मची है, पतै नहीं चलि पावै कि का झूँठि आय, का फुरि। यानी कि सच और झूठ में ऐसा मिश्रण हो गया है कि समझना मुश्किल।

कौशल दादा की इस अमसा-खमसी से पुराने दिनों का एक वाकया याद आया.. । एक बार चाचा मुझे गाँव की एक बारात ले गए। लड़की वालों ने जनमासा दिया भैंस के तबेले के बाहर चबूतरे पर। जाजम बिछी..बारातियों के लिए.. । संझा भोजन के बाद चाचा ने कहा चलो आराम कर लेते हैं, दस कोस पैदल चलकर आए है थक गए। जैसी ही झपकी लगी चाचा बड़ड़ाते हुए उठ बैठे.. इधर मुँह करो तो दारू की भभक आती है, उधर करो तो गाँजे की गुंग। ससुरा कौन दारू पिए हैं, कौन गाँजा ऐसी अमसा खमसी। नीचे से किलनी(एक कीड़ा) काटती है, ऊपर मच्छर। कहाँ चले जाएं।

आजकल सच का हाल मेरे चाचा जैसे है.उदिघ्न, परेशान, स्वमेव बड़बडाता हुआ। चाचा को कौन बताए कि यह सांस्कृतिक अमसा-खमसी है। शहर के दारू और गाँव के गाँजे की मिलीजुली एक नई संस्कृति। प्रयाग के हमारे अग्रज कवि कैलाश गौतम इस सांस्कृतिक समिश्रण पर बहुत पहले ही यह शानदार दोहा लिख गए -

दूध दुहे बल्टा भरे गए शहर की ओर।
दारू पीकर शाम को लौटे नंद किशोर।।

गाँव की संस्कृति को बल्टे में भरा, ले जाकर शहर में बेंच आए, शहरी संस्कृति का डोज लेकर टन्न टनाटन घर लौट आए। सोशल मीडिया ने इस समिश्रण, जिसे हमारे कौशलदादा अमसा-खमसी कहते है, को ऐसा पेचीदा बना दिया कि सच ढूंढना रुई में सुई ढूंढने जैसा है। यह एक नया डिजिटल उत्पाद है। लाख जतन करके सच को सच, झूठ को झूठ अलग नहीं कर सकते। इस वर्चुअल/डिजिटल मिक्सी से तथ्य ऐसे मथे जा रहे हैं, क्या करिएगा।

एक महाशय ने इसी कालम में छपे मेरे लेख को अपना बनाकर फेसबुक में डाल दिया, वह भी मुझे टैग करते हुए। मैंने उन्हें मैसेज भेजकर बताया कि मेरा यह लेख फलाँ अखबार के मेरे नियमित स्तंभ में फलाँ दिन छपा है..मैंने बतौर सबूत स्क्रीनशाट भी डाल दिया। महाशय का जवाब आया- तो आप कितने दिनों से मेरे लेखों की चोरी करके छपवा रहे हैं? मैं तो आप पर दावा ठोकूंगा.. ।

अब इसका जवाब मुझसे बन नहीं पड़ा..यह लेख मेरा है..इसका प्रमाण कैसे देता, सिर्फ कह ही सकता हूँ, साबित कैसे करता। कमेंट बाक्स में सामने वाले महाशय के समर्थक मुझे ट्रोल करने लगे... मैं ऐसे फँसा, जैसे सरहंग जेबकतरों के बीच कोई बूढ़ा पेन्शनर.. । याद आया कि उस लेख में मैंने अपने गाँव और एक दो जनों के नामों का उल्लेख किया था.. ।

मैंने फिर पूछा- तो आप किस गाँव के हैं..? वह बोला- बड़ीहर्दी(मेरे गाँव का यही नाम है) के.. ! मैंने कहा- लेकिन मैं तो आपको जानता नहीं। उसने जवाब दिया.. जानोगे कैसे.? जब तुम मेरे गाँव के हो ही नहीं। तो अच्छा वो छंगा और गफ्फार भी तुम्हारे गांव के होंगे..मैंने कहा। हाँ हैं न..एक मेरा बरेदी था और दूसरा गाँव का दर्जी(मेरे लेख में इनका इसी रूप में उल्लेख था। क्यों कोई शक..?

मैंने माथा पकड़ा..फिर उससे विनती की मेरे भाई ये पूरा लेख, मेरा गाँव बड़ीहर्दी, छंगा और गफ्फार तू ही रख अपने पास। बस मेरे बगीचे के आम का वो पेंड़ जिसे हम ठिर्रा कहते है, उसको भर छोड़ दे ..(लेख में बगीचे और इस आम के पेड़ का भी मैंने जिक्र किया था)। वह मुहावरा भी यहां उल्टा लटककर कुछ ऐसे बन गया- झुट्ठे का बोलबाला, सच्चे को गाँव निकाला। सोशलमीडिया में ऐसी ही अमसा-खमसी चल रही है। चार लेखों से एक-एक पैरा निकाला और बन गया नया लेख। कापी-कट-पेस्ट की यह आसान कला प्राय: सभी आने लगी है।

कभी-कभी तो बच्चन, सुमन, नीरज जैसे कवियों की दो-दो लाइनें जोड़-जाड़कर अपने नाम से एक नई कविता पेश कर देते हैं आज के उदयीमान कविगण। एक बार अटलस्मृति कविसम्मेलन में आयोजकों ने सुमन की वो पंक्तियां- क्या हार में क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत मैं.. अटलजी के नाम से पोस्टर पर चस्पा कर दी। मैंने ध्यान दिलाया कि यह सुमनजी की पंक्तियां हैं..जिसका अटलजी ने संसद में उल्लेख किया था.. ।

आयोजक बोले- शुक्लाजी आप की तो मीनमेख निकालने की आदत है..ये सुमन कौन होता है अटलजी की कविता को अपनी बताने वाला। मैंने बताया डा.शिवमंगल सिंह सुमन अटलबिहारी वाजपेयी के कविगुरू थे.. । वे बोले- रहे होंगे कभी पर अब कहाँ अपने अटल और कहाँ आपके सुमन।

सोशल मीडिया में उपदेश और ज्ञान का रायता अनवरत फैलता ही रहता है। अक्सर किसी पोस्ट में सड़क छाप कविता के ऊपर यह लिखा मिल जाता है ..शायद इसी मौके के लिए ही बच्चनजी ने यह मार्मिक कविता लिखी थी... ।

भगतसिंह, विवेकानंद, चाणक्य के फर्जी कथोपकथन भी बहुत चलते हैं। किसी के पास इतनी फुर्सत कहां कि किताबें खोलकर सच का पता लगाएं कि..इन्होंने कहीं ऐसा कहा भी या नहीं। सोशल मीडिया में भाईलोग ऐसे ही घोड़े-गधे का सिर एक दूसरे के धड़ में जोड़ते रहते हैं। कुछ गंभीर बौद्धिक दिखने के लिए.. कांट, कन्फ्यूसियस, मैक्समूलर, फ्रायड, दोस्तोवस्की और न जाने कैसे-कैसे अँग्रेज विद्वानों के कोटेशन अपने हिसाब से बनाकर डालते रहते हैं, जबकि जरूरी नहीं कि इन्होंने ऐसा कभी कहा ही हो।

मित्र ने कहा ..फैक्ट चेक की सुविधा तो है। लेकिन उन्हें क्या बताए गूगल में फैक्ट डालने वाला आदमी ही है न, उसका अपना फैक्ट। हर मर्ज की एक दवा..गूगल गुरू, उसके पास सत्तर फीसद जानकारी फेक है, फर्जी है..सिर्फ़ तीस फीसद पर भरोसा कर सकते हैं। उस तीस फीसद में लेखक की मौलिक पांडुलिपि या ई-बुक हैं डली है तो।

एक बार भोपाल में मेरे एक साथी पत्रकार ने अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह के बारे में लिख दिया कि ये सतना शहर के डालीबाबा चौक में में पैदा हुईं। मैंने बताया कि यह जानकारी तो फर्जी है मैं उसी इलाके का हूँ। वे बोले विकीपीडिया यही बोल रहा है..आपकी माने या विकी की.. । मैंने कहा विकी की ही मानो और अगली बार दारासिंह को भोपाल के भैंसाखाना में पैदा करवा देना। बहरहाल पत्रकार साथी ने अपनी काँपी में सुधार कर लिया, पर विकी को सुधार करने में महीने भर लग गए।

विकीपीडिया ओपन पेज है..आप जो भी संपादित करोगे अगले संशोधन तक वही दिखेगा। पत्रकारिता में विकीपीडिया ऐसा संदर्भ बन चुका है कि पिछले चुनाव में देशभर की मीडिया ने अर्जुन सिंह जी की वजह से चर्चित चुरहट क्षेत्र की रिपोर्टिंग में उनके पिता राव शिवबहादुर सिंह को नेहरू कैबिनेट का खनिज मंत्री लिखा.. जबकि वास्तव में वे कप्तान अवधेश प्रताप की अगुवाई वाली विंध्यप्रदेश सरकार में मंत्री रहे..अब विकीपीडिया में लिखा है सो पत्थर की लकीर पत्रकारों के लिए।

सोशलमीडिया को हमने सत्य को दूषित करने वाली फैक्ट्री में बदल दिया है, जिसकी चिमनी से धुँए की जगह झूंठ का गुबार निकलता है। कापी-कट-पेस्ट संस्कृति ने मौलिकता का सत्यानाश कर दिया। फेसबुक में ऐसे कई सज्जन मिलेंगे जो पूरी गुंडई के साथ दूसरों का जस का तस टीप देते है। यदि सामने वाला भी गुंडा टाइप का हुआ तो बात मादर-फादर तक पहुंच जाती है। हाल ही ऐसा हुआ। चोरी पकड़ी गई तो अच्छी खासी मलानत हुई। कटपेस्ट के उस्ताद महाशय पतली गली से निकल लिए. । अब वे दूरदराज और अनचीन्हों का लिखा पोस्ट टीपने लगे, अपने नाम से। सोशल मीड़िया का तवा बरहमेश गरम रहता है..कोई कभी भी रोटी सेंक ले.. ।

चोट्टई सोशल मीडिया से निकलकर मंच तक आ पहुंची है। पिछले साल हमारे शहर कविसम्मेलन में कथित नामी शायर/गीतकार आए.. कुँवर साहब फ्राम कोटा। आज के मंचीय कवियों में भी एक हुशियारी भरा चलन है। मुसलमान हुए तो कविताओं में बजरंगबली या किशन कन्हैया के गुन गाकर रंग जमा दिया। हिंदू हुए तो अल्ला हू, अलीअली बोलकर तालियां बटोर ली। लेकिन दोनों किस्म के शायर/कवि कहते-करते मौके की नजाकत के हिसाब से.. । सुनने वालों में बहुमत अली का है या बजरंगबली का गीत-कविताएं इस हिसाब से ट्विस्ट होती रहती हैं.. ।

हाँ श्रोताओं की तालियां भरपूर मिलनी चाहिए जो मंचीय कवियों के लिए शिलाजीत सी असरकारक होती हैं। सामने बैठे हो और न बजाओ तो लगता है कविजी बस अभी मंच कूदकर आपका गला चपा देंगे। बहरहाल वो जो जनाब थे कुँवर साहब, पहले बजरंगबली पर एक गीत सुनाकर रंग जमाया, जयकारा लगवाया..फिर लंबी टेर लेकर ..गाने लगे-

-ताजमहल बनवा तो दूँ..
मुमताज कहाँ से लाऊँगा.. ।

मुझे याद आया कि इस गीत को मैंने सन् 80 में सागर आजमी के मुँह से सुना था..और इन जनाब की उमर बताती है कि वे तब पैदा भी न हुए होंगे। आयोजकों के सम्मान को ध्यान रखते हुए बीच में बोलना मुनासिब नहीं समझा.. बस रिकॉर्ड कर लिया, मोबाइल पर। वे जनाब सबसे मँहगे जलवेदार कवि थे.. । उस आयोजन में मैं भी बतौर अतिथि था। कविताई के बाद होटल में चलने वाली जमजम-चुस्की के समय जब उन्हें ध्यान दिलाया कि जनाब ये तो सागर आजमी के गीत का मुखड़ा और अंदाज है.. ! सुनकर वे बेशर्मी से हें-हें हँसते हुए बोले..यही तो मुश्किल है कि जब भी मंचों पर मेरा कोई गीत हिट होता है तो कई टुटपुँजिए दावेदार चर्चाओं में आने के वास्ते सामने आ जाते हैं.. । छोड़ों भी शुक्लाजी इस शो बिजनेस में सब चलता है..आई नेवर माइंड इट।

याद आया कि ये जनाब कविसम्मेलन में भाग लेने बाय एयर आए हैं..और वे बेचारे सागर आजमी राज्यपरिवहन की खटारा बसों से कवि सम्मेलनों-मुशायरों में पहुँचते थे। ऐसे बेशर्म चोट्टे के आगे मेरी हिम्मत जवाब दे गई कि यूट्यूब में सागर आजमी का गीत सागर आजमी के मुँह से सुनवा दूँ.. । श्रोता चोट्टे के साथ थे..मेरे तलाशे हुए सच के साथ नहीं।

यह मोहब्बत है या नफरत की इंतहा...

कौशल किशोर चतुर्वेदी

राजनीति में अब बिगड़े बोलों का एक फैशन ही चल पड़ा है, लेकिन बिगड़े बोलों की भी एक सीमा रेखा होती है। जब बिगड़े बोल सीमा रेखा को पार कर जाएं, तब स्थितियां विकृत और विस्फोटक होने लगती हैं। हम बात कर रहे हैं कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव के उस बयान की, जिसमें नफरत की इंतहा पार होती दिख रही है। अरुण के बयान को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान पर तंज की तरह देखा जा रहा है। भारतीय संस्कृति बड़ों का सम्मान करना सिखाती है। और कम से कम उनको तो राजनीति में नहीं घसीटा जाता, जो इस दुनिया में नहीं है और जिनका राजनीति से कोई वास्ता ही न रहा हो। अरुण यादव ने मध्यप्रदेश में भाजपा के बड़े नेताओं के आने के सवाल पर प्रतिक्रिया देते कहा कि मध्य प्रदेश में कोई भी आ जाए, चाहे मोदी जी आएं और उनके ऊपर कोई हो चाहे वो आ जाएं, नड्डा जी आ ही रहे हैं चल ही रहा है, मोदी जी के पिताजी भी आना चाहें तो आ जाएं, हमें कोई आपत्ति नहीं है। दरअसल यह बिगड़े बोल नफरत की खेती की तरह हैं, जिनमें कभी मौहब्बत का पौधा अंकुरित नहीं हो सकता।

और कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों भाजपा नेताओं पर नफरत फैलाने का आरोप चस्पा करते हुए देशभर में मोहब्बत की दुकान खोलने में जुटे हैं।? ऐसे में अरूण यादव को उनके बयान ने बैकफुट पर ला दिया है। समस्या की बात यह है कि अरुण यादव को सौम्य नेताओं में गिना जाता है और उनके पिता स्वर्गीय सुभाष यादव की छवि भी व्यावहारिक और विपक्षी दलों के नेताओं के साथ सम्मान और आदर की रही है। इसीलिए अरुण यादव के बयान पर भाजपा नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया भी दी है और सुभाष यादव के संस्कार से बेमेल अरुण के बोलों को कांग्रेस और परिवार विशेष की विचारधारा का दुष्प्रभाव ठहराया जा रहा है। तो इस एक बयान से ही कांग्रेस का यह ओबीसी फेस डैमेज होता दिख रहा है। लोगों की निगाहें अब एक बार फिर कमलनाथ पर हैं, जिन्होंने अपने दल के समाजवादी नेता राजा पटैरिया के मोदी पर आपत्तिजनक बयान से पल्ला झाड़ लिया था। अब नाथ का अरुण यादव के बयान पर क्या रुख है, सबकी निगाहें अब उन नाथ पर ही टिकी हैं।

तो चुनावी साल में प्रदेश का सियासी पारा उफान पर है। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी दौरे को लेकर उनके पिता स्व. दामोदर दास मोदी को लेकर विवादित बयान दे दिया। इसके बाद भाजपा नेता यादव पर भड़क उठे। उन्हें नसीहत देने के साथ ही कांग्रेस के संस्कारों को लेकर कड़ी निंदा व आलोचना की। दरअसल 14 जून 2023 को ज्योतिरादित्य सिंधिया के करीबी रहे बैजनाथ यादव, विनय यादव, मीरा सिंह ने भोपाल पहुंचकर कांग्रेस की सदस्यता ले ली। कांग्रेस दफ्तर में हुए इस कार्यक्रम में सीएम कमलनाथ दिग्विजय सिंह और कांग्रेस नेता अरुण यादव ने उन सभी को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करवाई। इसी दौरान मीडिया से बात करते हुए अरुण यादव ने एक विवादित बयान दे दिया। यादव ने प्रदेश में भाजपा के बड़े नेताओं के आने के सवाल पर प्रतिक्रिया देते कहा कि मध्य प्रदेश में कोई भी आ जाए, चाहे मोदी जी आएं और उनके ऊपर कोई हो चाहे वो आ जाएं, नड्डा जी आ ही रहे हैं चल ही रहा है, मोदी जी के पिताजी भी आना चाहें तो आ जाएं, हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन मध्य प्रदेश में कांग्रेस की बदलाव की बयार है, जो कि स्पष्ट हमें नजर आ रही है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस नेता अरुण यादव द्वारा प्रधानमंत्री के स्वर्गीय पिता जी पर जो अभद्र टिप्पणी की गई है, वह उनकी स्तरहीन मानसिकता का प्रतीक है। यही कांग्रेसी कल्चर, इनकी मोहब्बत की दुकान है। मोदी जी देश का मान और देशवासियों का स्वाभिमान हैं।कांग्रेस रसातल में जा रही है और जब देश के यशस्वी व लोकप्रिय प्रधानमंत्री जी का सीधे मैदान में मुकाबला नहीं कर पा रही है, तो अभद्र और असभ्य भाषा पर उतर आई है। अरुण यादव द्वारा राजनैतिक मर्यादायें तार-तार की है, आपके बयान से मध्यप्रदेश शर्मिंदा है। अरुण जी आपकी और कांग्रेस की इस कुंठा का जवाब मध्यप्रदेश की जनता देगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिताजी पर अपमानजनक टिप्पणी पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा बोले कि अरूण यादव द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी के स्वर्गीय पिताजी के लिए इस प्रकार के फूहड़ शब्दों का उपयोग करना. ये अत्यंत दुर्भाग्यजनक है। मैं इसकी कड़ी प्रतिक्रिया दे सकता हूं। जिस प्रकार की भाषा का उन्होंने उपयोग किया है ये केवल मोदीजी का अपमान नहीं देश की 140 करोड़ जनता का अपमान है। अरूण यादव जी ने जिस प्रकार की ओछी शब्दावली का जो उपयोग किया है, अरूणजी आज मैं कहना चाहता हूं कि आपके स्वर्गीय पिता सुभाष यादव जी भी दुखी होंगे कि मैंने तो ये संस्कार अरूण को नहीं दिए थे। लेकिन ये देश के, दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता के स्वर्गीय पिताजी के लिए इस प्रकार की भाषा का उपयोग करना कहां से सीखे। अरूण जी हम तो सुभाष यादव जी का भी सम्मान करते हैं, क्योंकि हमें मोदीजी ने संस्कार दिए हैं। राजनीति में चाहें पक्ष में हो या विपक्ष में हों, इस प्रकार की शब्दावली का उपयोग क्या ये उचित है? आज आपने इन शब्दों का जो उपयोग किया है, ये आपके नेता राहुल गांधी जी ने शायद आपको ये संस्कार दिए होंगे और इस प्रकार की भाषा से ये सिद्ध होता है कि कांग्रेस का चरित्र क्या है? कांग्रेस के संस्कार क्या हैं? अरूण यादव जी आपको 140 करोड़ जनता से माफी मांगनी चाहिए। आपने जिस शब्दावली और जिस भाषा का उपयोग किया है ज. वह दुर्भाग्यजनक है।

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा बोले कि कांग्रेस संस्कार विहीन पार्टी है। अरुण जी को उनके पिता स्व. सुभाष यादव जी ने संस्कार देने में कोई कमी रख दी। उनके पुत्र की भाषा ऐसी नहीं हो सकती। यह इटली के वंशज की सरपरस्ती वाली भाषा है। जो कभी प्रधानमंत्री को जहरीला सांप बोलते हैं। कभी मौत का सौदागर बोलते हैं। यह भाषा संस्कार विहीन है, जो संस्कार विहीन लोग बोलते हैं। यह भारत देश है, यहां तो स्वर्गीय होने पर पानी देने तक का संस्कारों में बताया गया है। आप जो इटली के वंशजों की भाषा बोल रहे हो यह वास्तव में निंदनीय कृत्य है।

तो चुनावी साल में इस तरह की बयानबाजी सामने आती रहेंगीं। इसका किसको फायदा मिलेगा और किसको नुकसान उठाना पड़ेगा, यह आने वाला समय ही बताएगा। यह जनता ही तय? करेगी कि यह मोहब्बत है या नफरत की इंतहा।

जब हमारी आबादी चीन को पीछे छोड़ देगी?

-राकेश दुबे

यूँ तो हमारे देश की जनगणना हुए एक दशक बीत गया है, परंतु क़यास हैं शीघ्र ही भारत दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए एक अनुमान आया है कि भारत 2023 के मध्य में किसी समय चीन की 1.45 अरब आबादी की बराबरी कर लेगा और इससे आगे निकल जाएगा। बढ़ती आबादी और पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ने का यह स्पष्ट संकेत है ।वैसे इन दोनों बातों का कोई सीधा संबंध नहीं है। इसके विपरीत तर्क दिया जा सकता है कि अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के लोग तुलनात्मक रूप से आबादी में कम होने के बावजूद प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल भारत से कहीं अधिक करते हैं।

बात अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की, जिनकी आबादी क्रमश: 33.6 करोड़ और 2.6 करोड़ है। अर्थ ओवरशूट डे के अध्ययन के अनुसार अगर सभी भारतीय नागरिक अमेरिकी लोगों की तरह जीवन-शैली अपना लें तो पांच पृथ्वी की आवश्यकता होगी। इसी तरह, ऑस्ट्रेलिया को लोगों की तरह जीवन जीने पर भारतीयों को 4.5 पृथ्वी की जरूरत होगी ।मगर भारत के लोगों की तरह रहने के लिए मात्र 0.8 पृथ्वी की आवश्यकता होगी।

यह बात सभी जानते हैं कि धनी देश पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। वे भूमि, जल, वन और अन्य संसाधनों का अत्यधिक दोहन करते हैं। ये देश जीवाश्म ईंधनों का बेतहाशा इस्तेमाल कर रहे हैं जिससे वैश्विक तापमान बढ़ रहा है। इसके विपरीत उनके यहां हवा 'स्वच्छ' प्रतीत होती है क्योंकि बेहतर तकनीक में निवेश करने के लिए उनके पास पर्याप्त रकम है। इन धनी देशों में ऐसे क्षेत्र अधिक हैं जो कभी इस्तेमाल में नहीं आए हैं। इस कारण से उनका प्राकृतिक क्षेत्र सुरक्षित है। ऐसा नहीं है। चूंकि, वे प्राकृतिक आवास का काफी इस्तेमाल करते हैं जिसका नतीजा यह होता है कि दूसरी जगहों पर वन क्षेत्रों का इस्तेमाल आवश्यकता से अधिक होता है भूमि का क्षरण भी होता है।

दूसरी तरफ, विपन्न देशों के लोग अपने स्थानीय पर्यावरण में उपलब्ध संसाधनों का अत्यधिक इस्तेमाल करते हैं। गांवों में वे जंगल, मैदान और जलाशयों पर निर्भर रहते हैं। जंगल और जमीन दोनों पहले ही अत्यधिक दबाव में हैं और जलाशय प्रदूषित हैं मगर पर्यावरण पर इन सभी बातों का संयुक्त प्रभाव धनी देशों की तुलना में कम है।

यह भी सच है कि भारतीय लोग इसलिए पर्यावरण का कम दोहन करते हैं क्योंकि वे आर्थिक रूप से कम संपन्न हैं। गरीबी के कारण हम संसाधनों का अधिक उपभोग नहीं कर पा रहे हैं। यह कह सकते है कि जब हम थोड़े और संपन्न हो जाएंगे तो हम वैश्विक मध्यम वर्ग की जीवन-शैली, अमेरिका की तरह अपनाने की ख्वाहिश रख सकते हैं। यह जीवन-शैली एक तरह से आर्थिक धन एवं आधुनिकता के मानक बन चुकी है।

अनुमान है कि जब हम संख्या में इतने

अधिक हो जाएँगे तो पर्यावरण पर कुल मिलाकर बड़ा असर डालेंगे। हम अपशिष्ट पदार्थों के संदर्भ में ऐसे देख भी चुके हैं। जैसे-जैसे हमारी आर्थिक क्षमता बढ़ती जा रही है वैसे ही अपशिष्ट पदार्थों की मात्रा भी बढ़ रही है, इनकी संरचना भी बदल रही है और गलियों में चारों तरफ कूड़ा पसरा नजर आ रहा है ।शहरों में वायु प्रदूषण भी कुछ इसी ओर इशारा करता है। आर्थिक संपन्नता बढ़ने के साथ ही हम अपने निजी वाहनों में सफर करने लगे हैं।

भारतीयों को तीन बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सबसे पहले हमें इस पर विचार करना चाहिए कि भविष्य में जनसंख्या वृद्धि रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं? अपनी बड़ी आबादी का लाभ कैसे उठाएं क्योंकि हरेक व्यक्ति प्रकृति की सुंदर रचना है? तीसरा बिंदु यह है कि बढ़ती आबादी के बीच भारत को दुनिया के अन्य देशों की तरह विनाश का कारण बनने से कैसे रोकें?

पहले प्रश्न का उत्तर अपेक्षाकृत स्पष्ट है। भारत में कुल प्रजनन दर कम हो रही है। यह कम होकर विस्थापन स्तर (2.1) से कम रह गई है। नवीनतम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार केवल बिहार, झारखंड, मणिपुर, मेघालय और उत्तर प्रदेश में प्रजनन दर प्रति महिला दो संतान (औसत राष्ट्रीय दर) से अधिक है। यह सभी समझते हैं कि लड़कियां जितनी अधिक शिक्षित एवं सशक्त होंगी और उनकी स्वास्थ्य एवं आर्थिक सुरक्षा जितनी बढ़ेगी प्रजनन दर में उतनी कमी आएगी। प्रजनन का संबंध केवल जनसंख्या नियंत्रण तक नहीं है बल्कि यह संतानोत्पत्ति को लेकर महिलाओं के अधिकार से जुड़ा है। यह प्रगति का सूचक है। हम इस दिशा में आगे भी बढ़ रहे है, बस हमें इस गति को बनाए रखना होगा।

इसके बाद जनसंख्या से मिलने वाले लाभ का विषय आता है। यहां भी शिक्षा अहम हो जाती है। हमें देश में शिक्षा के विस्तार के लिए काफी कुछ करना होगा। अंत में पर्यावरण से जुड़ा विषय आता है। इससे जुड़ी सुरक्षा सुनिश्चित करना काफी कठिन होगा क्योंकि दुनिया में मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं को समझना और उन्हें पूरा करने से रोकना आसान नहीं है।

वैश्विक उपभोक्ता वर्ग की शैली बाजार कारकों एवं उस अर्थशास्त्र से जुड़ा है जो धन सृजन को बढ़ावा देता है। मगर हमारी असल परीक्षा यहीं है। हमें एक ऐसी दुनिया की जरूरत है जो सभी के रहने के लिए उपयुक्त हो। इस पर गंभीरता और शीघ्रता से विचार करने का समय आ गया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

गंगा जमुना संस्था के छात्र/छात्राओं के लिए बनाई गई हेल्पडेस्क

दमोह। गंगा जमुना उ.मा. विद्यालय दमोह छात्र/छात्राओं के संदर्भ में हेल्पडेस्क जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय मे बनायी गयी हैं जिसमें उक्त संस्था के छात्र/छात्रायें सपंर्क कर अपनी समस्यायें हल कर सकते हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया हेल्पडेस्क में प्राचार्य आर के रविदास मोबाईल नं. 9826832193 एवं प्राथमिक शिक्षक कनिष्क साहू मोबाईल नं. 9584630845 नियुक्त किये गये हैं।

अनैतिक कार्य में लिप्त आधारशिला संस्थान पर हो सख्त कार्रवाई

दमोह। नगर में संचालित आधारशिला संस्थान जिसके संचालक अजय लाल है वहां पर बाल संरक्षण आयोग की टीम ने जांच कर पाया की वहां पर गरीब हिंदू बच्चों बच्चियों को प्रलोभन देकर शिक्षा के नाम पर बाइबल पढ़ाई जाती एवं अनैतिक कार्य किए जाते हैं एक नाबालिक बच्ची के साथ यौन शोषण का मामला भी सामने आया आरोपी डी डेनियल जेल में है बाल समक्षा आयोग की टीम ने बताया यहां पर बालिका गृह संचालित है जिसकी अनुमति नहीं है इस प्रकार से उस संस्थान में ईसाई धर्म की शिक्षा देना गैरकानूनी रूप से बालिका गृह का चलाना यौन शोषण के मामलों का सामने आना दर्शाता है कि वहां पर शिक्षा के नाम पर अनैतिक कार्य हो रहे हैं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी एवं भगवती मानव कल्याण संगठन ऐसे संस्थानों पर तुरंत कार्रवाई की मांग करता है एवं संचालक अजय लाल को अपराधी मानते हुए कार्रवाई की मांग करता है कार्रवाई नहीं हुई तो भगवती मानव कल्याण संगठन भारतीय शक्ति चेतना पार्टी बहुत बड़े रूप में आंदोलन करेगा।

खजुराहो में खोला जाये आयुर्वेद चिकित्सा विश्वविद्यालयः नातीराजा

छतरपुर। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल खजुराहो में बड़ी संख्या में देश-विदेश से लोग आते हैं इसलिए यहां की स्वास्थ्य सुविधाएं भी पर्याप्त और दुरूस्त होनी चाहिए। राजनगर विधायक विक्रम सिंह नातीराजा ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजते हुए मेडिको टूरिज्म स्थापित किए जाने हेतु आयुर्वेद चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना कराने की मांग की है। विधायक विक्रम ड्क्षसह का कहना है कि प्रदेश की एकमात्र प्रथम आयुर्वेद चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना खजुराहो में किए जाने से न केवल क्षेत्र में आयुर्वेद का भरपूर प्रचार-प्रसार होगा बल्कि इलाज की इस प्राचीनतम पद्धति का लोगों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में विधायक नातीराजा ने कहा है कि विश्व पर्यटक स्थल खजुराहो में पूरी दुनिया के लोग घूमने के लिये आते हैं जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है लेकिन जिले में बड़े उद्योग नहीं होने से बेरोजगारी की समस्या बनी हुई है। इस क्षेत्र में शासकीय भूमि, वन भूमि पर्याप्त है। खजुराहो विश्व पर्यटक स्थल में मेडिको टूरिज्म को स्थापित किये जाने हेतु आवश्यक है कि यहां आयुर्वेदिक चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना की जाये। विधायक ने मुख्यमंत्री से खजुराहो में प्रदेश का प्रथम आयुर्वेदिक चिकित्सा विश्वविद्यालय स्थापित किये जाने की मांग की है।

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन शांतिपूर्ण निर्वाचन कराने 17 जून तक धारा 144 लागू

छतरपुर। छतरपुर जिले की जनपद पंचायत गौरिहार की ग्राम गोयरा में त्रि-स्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन प्रक्रिया के तहत सरपंच पद हेतु होने वाले मतदान को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिये दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत लागू यह आदेश 9 जून से प्रभावशील हुआ है जो 17 जून तक रहेगा। इस अवधि में चुनाव के दौरान तहसील गौरिहार की सम्पूर्ण सीमा में अस्त्र-शस्त्र, घातक हथियार, विस्फोटक सामग्री लेकर चलने पर प्रतिबंध होगा। आम निर्वाचन हेतु मतदान केन्द्र, मतगणना स्थल, तहसील, ब्लॉक एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी गौरिहार के परिसर के बाहर भीड़ एकत्र नहीं होगी और न ही धरना प्रदर्शन होगा। न ही नारेबाजी होगी, न ही आपत्तिजनक पोस्टर वितरित होगे। आम चुनाव से जुड़ी गतिविधियों में वाहन में किसी भी प्रकार की ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग, राजनैतिक दल, व्यक्ति द्वारा आम सभा, नुक्कड़, जुलूस सभा आयोजित करने के पूर्व विधिवत लिखित सूचना सक्षम अधिकारी से लेनी होगी।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ डीआरजी सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

छतरपुर,। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण परिसर के एडीआर सभा कक्ष में जिला संदर्भ समूह (डीआरजी) सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ओपन्द्र प्रताप सिंह, जिला न्यायाधीश अनिल कुमार पाठक एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रविकांत सोलंकी, जिला विधिक अधिकारी हेमंत एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक संचालक जीतेन्द्र गुप्ता उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में सहजकर्ता के रूप में ममता (युनिसेफ) से राज्य समन्वय इंदु सारस्वत उपस्थित रही। प्रशिक्षण में महिला बाल विकास, सामाजिक न्याय, शिक्षा, शहरी आजीविका मिशन, ग्रामीण आजीविका मिशन, खेल एवं युवा कल्याण, आदिम जाति कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग ने सहभागिता की।

आपदा से निपटने प्रशिक्षण लेने 150 युवाओं ने कराया पंजीयन

छतरपुर। आपदा मित्र योजना के तहत आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण में पहले दिन 150 युवक-युवतियों ने पंजीयन कराया है। आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण द्वितीय सत्र में आपदा मित्रों को आपदा से निपटने के लिए होमगार्ड कमांडेंट करण सिंह द्वारा विभिन्न सुझाव दिए गए। बुधवार को निजी पैलेस में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भारत सरकार एवं राज्य स्तरीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भोपाल के निर्देशन में जिला छतरपुर होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के द्वारा आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर द्वतीय सत्र आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर 25 जून तक 12 दिवस तक संचालित किया जाएगा। होमगार्ड कमांडेंट करण सिंह ने बताया कि आपदा मित्र योजना के तहत आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण निःशुल्क किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में किसी भी प्रकार की आपदा आने पर इन आपदा मित्रों की मदद ली जाएगी। उक्त आपदा मित्र प्रशिक्षण पूर्ण रूप से स्वयंसेवी है। इस अवसर पर अमित दुबे पी.सी., संजय गौर पी.सी, ऋषि गढ़वाल आपदा प्रबंधक समन्वयक, दिनेश शर्मा सहायक उपनिरीक्षक, रमेश पाल उपस्थित रहे।

सीएम राइज स्कूलः दो टैंकर से भरोसे बन रहा 42.5 करोड़ का भवन

-भवन निर्माण में भारी अनियमितता -प्राचार्य व शिक्षकों की भी नहीं सुन रहा ठेकेदार -शिक्षकों ने कहा-तराई ही नहीं हो रही, कोपरे की जगह मिट्टी डाली

औबेदुल्लागंज। भोजपुर विधानसभा में हो रहे निर्माण कार्यों को कोई देखने वाला नहीं है। ब्लॉक के सीएम राइज स्कूल निर्माण के लिए मप्र शासन ने साढ़े 42 करोड़ रु भवन निर्माण के लिए स्वीकृत किए हैं और इसका निर्माण भी शुरू हो गया है, लेकिन सीएम राइज में पदस्थ शिक्षक ही गुणवत्ता से संतुष्ट नहीं है। शिक्षकों का कहना है कि ठेकेदार बार-बार कहने के बावजूद गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दे रहा है।

मप्र भवन विकास निगम द्वारा सीएम राइज भवन के लिए त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के नीरज अग्रवाल को ठेका दिया गया है। ठेकेदार को भवन निर्माण करने के पहले दो ट्यूबवेल उत्खनन करना था, लेकिन उसने दो ट्यूबवेल तो किए, एक में कैसिग नहीं डाले और दूसरे में मोटर नहीं डाली। ठेकेदार दो पानी के टेंकर ग्राउंड में खड़ा कर भवन का निर्माण भरी गर्मी में कर रहा है।

खोदी मिट्टी को वापस डाला

स्कूल के शिक्षक मौखिक रूप से ठेकेदार व उच्च अधिकारियों से गुणवत्तापूर्ण भवन ना बनाए जाने की शिकायत कर रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि ठेकेदार ने पहले जमीन से मिट्टी हटाई और कॉलम खड़े किए। फिर सात दिन के अंदर ही उसमें वहीं मिट्टी डाल दी। कुछ लोगों का कहना है कि इसमें ठोस मिट्टी डाली जानी चाहिए थी। वहीं सात दिनों में कॉलम की सही से तराई भी नहीं हुई। शिक्षकों का कहना है कि यदि बैस ही मजबूत नहीं हुआ, तो मजबूत भवन कैसे बनेगा। इस मिट्टी में काली मिट्टी मिली हुई है।

भवन निर्माण नहीं दे रहा ध्यान

भोपाल के श्यामला हिल्स पर बैठे अधिकारी वाट्सएप से ही निर्माण की गुणवत्ता देख रहे हैं। छोटे अधिकारी मोबाइल पर ही गुणवत्ता की फोटो भोपाल भेज रहे हैं। इस संबंध में हमने कार्यपालन यंत्री एसएस ठाकुर को फोन लगाया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

इनका कहना है

' दो ट्यूबवेल खनन में पानी नहीं निकला। तीसरी ट्यूबवेल कराएंगे। वहीं स्कूल की खोदी गई मिट्टी पीली है जो वापस डाल सकते हैं। जिसकी टेस्टिंग करा ली है। अधिकारियों को लगातार वाट्सएप पर फोटो डाल रहे हैं। तराई सात दिन में हो जाती है।

महेंद्र डोलिया, प्रबंधक, भवन निर्माण निगम

' यदि मिट्टी वापस डाली है और पानी की कमी है तो उनके अधिकारियों से बात करते हैं।

प्रमोद गुर्जर, एसडीएम गोहरगंज

भवन निर्माण को लेकर बीआरसी एवं जिला शिक्षा अधिकारी को शिकायत की है भवन मे पानी की कमी होने के कारण तराई नहीं हो पा रही भवन कितने दिन तक सुरक्षित रहेगा कॉलम भरा रहे हैं तब से हम तराई के लिए बोल रहे हैं लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई है

चंद्रवती अतुलकर सीएम राइस स्कूल प्रिंसिपल

जबलपुर पहुंचकर कार्यकर्ताओं में जोश, उमंग और उत्साह भरा प्रियंका गांधी ने

सिवनी- अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव मध्यप्रदेश में चुनावी शंखनाद को लेकर श्रीमति प्रियंका गांधी संस्कारधानी जबलपुर पंहुची, पूरा महाकौशल में प्रियंका गांधी को लेकर उत्साह था कर्नाटक की जीत में प्रियंका गांधी जी का अहम रोल था जो वादे कर्नाटक की जनता से किये थे कांग्रेस की सरकार बनते ही वे सभी पूरे किये गये। उन्होंने अपने भाषण में कहा मध्यप्रदेश की शिवराजसिंह सरकार भ्रष्टाचार और घोटालो की सरकार है इन्होंने उज्जैन महाकाल को भी घोटाला करने में नही छोड़ा, 225 महिनें की सरकार में 220 घोटाले किये। मुझे यकीन नही हो रहा था कि सरकार में तीन वर्ष में केवल 21 लोगो को रोजगार दिया है मैंने बार बार इस बात को जानने की कोशिश की कि यह जानकारी गलत तो नही है लेकिन यह जानकारी पूरी तरह सत्य निकली। प्रदेश में युवाओं को देने के लिये रोजगार नही है कांग्रेस पार्टी आपसे वादा करती कि हर महिने महिलाओं को 1500 रूपए दिए जाएंगे, गैस सिलेंडर 1000 के स्थान पर 500 रूपए का मिलेगा, 100 यूनिट बिजली फ्री, 200 यूनिट हॉफ होगी, मध्यप्रदेश में पुरानी पेंशन योजना लागू की जायेगी, कमलनाथ की सरकार ने किसान कर्जमाफी की थी, बचे हुए किसानों की कर्जमाफी होगी। कमलनाथ जी ने कहा कि प्रियंका गांधी ने यहा आने से पहले नर्मदा पूजन की शर्त रखी, उन्होंने नर्मदा जी का पूजन कर आरती की। कांग्रेस पार्टी दिल और रिस्ते जोड़ने का काम करती है हमारे देश के अलावा किसी देश में इतने धर्म, जाति, देवी देवता नही है जोड़ने की संस्कृति कि राजधानी जबलपुर है मुझे गर्व है कि मैं हिन्दू हूँ लेकिन बेवाकूफ नही हूँ मैं मध्यप्रदेश की पहचान सौदे से नही बनाना चाहता। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना सहित हजारों की संख्या में कांग्रेस जन जबलपुर पंहुचे।

सरकार की वादाखिलाफी से नाराज माझी समाज

ओबेदुल्लागंज। मध्यप्रदेश राज्य में माझी मछुआ समाज के साथ शासन द्वारा वादाखिलाफी कर आरक्षण खत्म करना व धंधे में गैर लोगों को प्रवेश करने पर अंकुश लगाने संबंधी विषयों को लेकर आज सुनील कहार जिला अध्यक्ष फिशरमैन कांग्रेस ने अपने साथियों के साथ तहसील कार्यालय में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मछुआ समाज जिन्हें कहार भोई ढीमर केवट नाविक मल्लाह निषाद उपनाम से जातिगत व्यवसाय मछली पालन मत्स्याखेट, नाव चालन करना एवं नदी तालाबों से निकली जमीनों पर खरबुजा तरबुज लगाना प्रमुख काम है और यह समाज आर्थिक और शैक्षणिक रुप से कमजोर है यह समाज सदियों से भारत भुमि का मूल निवासी है यह लोग आरंभ से ही नदी पहाड़े जलाशयों के करीब रहते आये है और इनके रहन सहन और खान-पान में आदिम युग की झलक देखी जा सकती है इन लोगो को देश आजाद होने के बाद से ही संविधान में माझी जाति के नाम पर अनुसूचित जनजाति का आरक्षण भी दिया गया है जिसमें कुछ किन्तु परन्तु लगाकर यह आरक्षण सन् 1949 - 50 से लगातार मिलता रहा है किन्तु प्रदेश की भाजपा सरकार ने अचानक 1 जनवरी 2018 से यह आरक्षण ख़त्म कर दिया है।

अतएवं माझी मछुआ समाज को राहत देने के लिए माझी जाति को लेकर जारी आदेश दिनांक 1 जनवरी 2018 को संशोधित किया जाऐ तथा उपनामों को हटा कर अनुसूचित जनजाति की सुचि में साथ जोड़ा जाए

प्रदेश के 89 आदिवासी विकासखंडो में जितने भी तालाब जलाशय है उन सभी में इनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाएं आदिवासी विकासखंडो के तालाबों जलाशयों में मछली पालन का काम वंशानुगत मछुआरों को ही वापस दिए जाने सम्बंधी विषयों को लेकर ज्ञापन दिया। इस दौरान जिलाध्यक्ष सुनील कहार, संतोष मांझी, हरपाल राजपूत, पा मेश यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आपदा मित्र योजना, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण में पहले दिन 150 प्रशिक्षणार्थियों ने कराया पंजीयन

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण द्वतीय सत्र में आए आपदा मित्रों को आपदा से निपटने के लिए होमगार्ड कमांडेंट ने दिए सुझाव

छतरपुर। आज बुधवार को शहर के जटाशंकर पैलेस में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भारत सरकार एवं राज्य स्तरीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भोपाल के मार्गदर्शन में जिला छतरपुर होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के द्वारा आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर द्वतीय सत्र आयोजित किया जा रहा है। यह आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर 14 जून से 25 जून 12 दिनों तक संचालित किया जाएगा। इस आपदा मित्र योजना प्रशिक्षण में आज जिले के 150 छात्र-छात्राओं ने अपना पंजीयन कराया।

होमगार्ड कमांडेंट करण सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आपदा मित्र योजना के तहत आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण निः शुल्क किया जा रहा है और आज जिले की करीब डेढ़ सौ छात्र-छात्राओं ने पंजीयन कराया है। यह आपदा प्रशिक्षण 12 दिवस तक चलाया जा रहा है। होमगार्ड कमांडेंट करण सिंह ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि इस आपदा मित्र योजना आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण का शुभारंभ आज किया गया जिसका औपचारिक शुभारम्भ जिले के पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी जी द्वारा दिनांक 15 जून गुरुवार को किया जाएगा। जटाशंकर पैलेस में चल रहे आपदा मित्र योजना आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण में पहले दिन आए डेढ़ सौ छात्र-छात्राओं होमगार्ड कमांडेंट करण सिंह ने आपदा से बचाव हेतु उन्हें जानकारी दी तो वही आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए आपदा प्रबंधक समन्वयक ऋषि गढ़वाल ने भी जिले से आए प्रशिक्षणार्थियों को सुझाव दिए। जिले में किसी भी प्रकार की आपदा आने पर इन आपदा मित्रों की मदद ली जावेगी। उक्त आपदा मित्र प्रशिक्षण पूर्ण रूप से स्वयंसेवी है। इस अवसर पर अमित दुबे पी.सी., संजय गौर पी.सी, ऋषि गढ़वाल आपदा प्रबंधक समन्वयक, दिनेश शर्मा सहायक उपनिरीक्षक, एसईआरएफ पुरुषोत्तम तिवारी, अजय साहू, परमलाल, अखिलेश अहिरवार, विनोद बुनकर, लखन सिंह होमगार्ड, रमेश पाल उपस्थित रहे।

महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने, विशेष जागरूकता अभियान अभिमन्यु

नर्मदापुरम। महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संपूर्ण प्रदेश में चलाया जा रहा विशेष जागरूकता अभियान ÷अभिमन्यु÷ । पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाया जा रहा विशेष अभियान ''अभिमन्यु'' का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक, डॉ. गुरकरन सिंह के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में तथा उप पुलिस अधीक्षक, (महिला सुरक्षा) नीलम बघेल के नेतृत्व में जिले में किया गया अभियान का शुभारंभ।

अभियान का मुख्य उद्देश्य पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा चलाए जा रहे अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है, समाज में लड़कों/पुरूषो को न सिर्फ महिला संबंधी अपराधों के प्रति जागरूक करना है बल्कि इसके साथ-साथ उनको संवेदनशील बनाकर रूढिवादी मुक्त सकारात्मक व्यवहार विकसित करना है। इस हेत संपूर्ण प्रदेश में विशेष जागरूकता अभियान 'अभिमन्यु' संचालित किया जा रहा है।

पुलिस द्वारा जागरूकता हेतु विभिन्न आयोजन किए जावेगें।

विशेष अभियान ''अभिमन्यु'' के तहत किया गया आमजनों को जागरूक जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के शुभारंभ के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम हेतु नर्मदापुरम पुलिस द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर अभिमन्यु कट आउट का सेल्फी प्वाइंट लगाया गया जिसमे अधिक से अधिक आमजन द्वारा रुचि लेते हुए सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी ली गई। अभियान के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित जनसामान्य को जागरूकता हेतु महिला संबंधी अपराधों से संबंधित तथ्य जैसे नशा, दहेज, रूढ़िवादिता, अश्लीलता, असंवेदनशीलता, भ्रूण हत्या, अशिक्षा, लिंगभेद इत्यादि लिखा हुआ पंपलेट वितरित कर महिला संबंधी अपराधों के प्रति जागरूक किया गया।

सुदृढ़ यातायात व्यवस्था करने कलेक्टर-एसपी ने दिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश

सिवनी- कलेक्टर क्षितिज सिंघल एवं पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मंगलवार 13 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित आयोजित हुई। बैठक में सभी सड़क निर्माण विभाग, आरटीओ, यातायात, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा विगत बैठक में दिए गए निर्देशों के परिपालन में किए गए सुरक्षात्मक कार्यों की सम्बंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने विभिन्न सड़क मार्गो में चिन्हांकित ब्लैक स्पॉट पर चर्चा कर आवश्यक मरम्मत कार्य करने तथा सूचना पटल एवं ब्रेकर लगाने, हाईवे से जुड़ने वाले ग्राम मार्गों में स्पीड ब्रेकर की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सभी निर्माण विभागों ऐसे सभी मार्गो में ब्रेकर के साथ ही सड़क के सोल्डर में स्टॉपर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंघल ने आगामी वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए बारिस पानी से डूबने वाली, सड़कों एवं पुलों का चिन्हांकन कर सूचना पटल लगाने एवं पुल-पुलियों पर बेरिकेटिंग करने तथा सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित 9 सालः डॉ. निशांत खरे

धार। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के सफलतम 9 साल भारत के नवनिर्माण, सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना हर पल देश को महाशक्ति बनाने के लिए समर्पित कर दिया है। आज पूरी दुनिया यह कह रही है कि 21 वी सदी भारत की सदी है। मोदी सरकार में 9 साल की सफलता को 9 प्रमुख बिंदुओ में समझ सकते हे जैसे गरीब कल्याण, नवनिर्माण, सुरक्षा आंतरिक और सीमा सुरक्षा, सरकार के कार्यशैली में परिवर्तन आया है भ्रष्टाचार पर रोक लगी है, टेक्नोलॉजी का उपयोग बड़ा है, सांस्कृतिक मान बिंदुओं को वापस लाना, धार्मिक विकास, धार 370 और 35 ए का हटना, भारत का विश्वपटल पर मान सम्मान बढ़ रहा है उक्त बातें मध्यप्रदेश युवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. निशांत खरे ने धार के एक निजी होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही है। पत्रकार वार्ता में मध्यप्रदेश युवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. निशांत खरे,कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगाव, सांसद छतरसिंह दरबार, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, धार विधायक नीना वर्मा, अभियान लोकसभा प्रभारी दिलीप पटोदिया,भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा मंचासीन रहे। श्री खरे ने कहा की भारत ने सबका साथ सबका विकास की कहानी लिखी है पहले भारत की आवाज अनसुनी कर दी जाती थी आज जब भारत बोलता है तो दुनिया सुनती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म कर विकासवाद की राजनीति प्रतिष्ठित की है। पहले योजनाएं केवल कागजों में ही रहती थी आज एक ही कार्यालय में योजनाएं बनती भी हैं और जमीन पर उतरती भी है शिलान्यास और उद्घाटन दोनों एक ही कार्यकाल में होता है। पहले बिचौलिए लाभार्थियों का पैसा खा जाते थे आज बिचोलिया परम्परा को खत्म किया गया है। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर का निर्माण भी तेजी से चल रहा है, इंडिया गेट पूरी तरह से बदल गया है, जहां पर जॉर्ज पंचम की मूर्ति थी आज वहां सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा है, वीरों की गाथा गाता हुआ नेशनल वार मेमोरियल है। उन्होंने कहा कि बीते 9 वर्ष में देश में लगभग 48 करोड़ लोगों के जन-धन अकाउंट खोले, उज्जवला योजना के तहत 9.5 करोड़ बहनों को लाभ मिला और लगभग 3.5 करोड़ घरों में बिजली पहुचाई गई है।

केन्द्रीय मंत्री सोमप्रकाश रतलाम जिले में कई कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रतलाम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित महासंपर्क अभियान के तहत 15 जून को रतलाम संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन कार्यक्रमों में केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री सोमप्रकाश (आई.ए.एस.) मुख्य अतिथि रहेंगे। रतलाम शहर में केन्द्रीय मंत्री जेएमडी पैलेस में आयोजित प्रबुद्धजन एवं व्यापारी सम्मेलन व सोश्यल मीडिया इंफ्लुएंसर बैठक को संबोधित करेंगे।

इस दौरान क्षेत्रीय सांसद गुमानसिंह डामोर, राज्यसभा सदस्य,भाजपा की प्रदेश महामंत्री व महासंपर्क अभियान की प्रदेश प्रभारी कविता पाटीदार, विधायक चेतन्य काश्यप, दिलीप मकवाना, जिलाध्यक्ष राजेन्द्रसिंह लुनेरा, पूर्व विधायक एवं अभियान के क्लस्टर प्रभारी गोपीकृष्णा नेमा, अभियान के लोकसभा संयोजक ओमप्रकाश शर्मा तथा महापौर प्रहलाद पटेल विशेष अतिथि रहेंगे।

जिला मीडिया प्रभारी अरूण त्रिपाठी ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री श्री सोमप्रकश प्रातः 09 बजे होटल समता सागर रतलाम पहुंचेगे। वे 11 बजे रतलाम ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के धामनोद में एटलेन एक्सप्रेस-वे पर आयोजित विकास तीर्थ कार्यक्रम में शामिल होकर सभा को संबोधित करेंगे। उसके बाद सैलाना विधानसभा क्षेत्र के शिवगढ़ में 01:30 बजे आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद केन्द्रीय मंत्री शाम 04 बजे रतलाम आऐंगे और शहर विधानसभा क्षेत्र के प्रबुद्धजन एवं व्यापारी सम्मेलन में शामिल होंगे। जेएमडी पैलेस में इस सम्मेलन के बाद सोश्यल मीडिया इंफ्लुएंसर बैठक आयोजित की गई है। केन्द्रीय मंत्री इन आयोजनों के बाद रात्रि विश्राम रतलाम में करेंगे 7 वे 16 जून को रतलाम से नीमच प्रस्थित होंगे।

एलएलएल ने छिंदवाड़ा में ग्रामीण मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम पहुँचाया

छिंदवाड़ा, एजेंसी। 2017 से लिव लव लाफ का ग्रामीण कार्यक्रम ओडिशा, तमिलनाडु और कर्नाटक में 10,000 लोगों को लाभ पहुंचा चुका है। दीपिका पादुकोण द्वारा स्थापित चैरिटेबल ट्रस्ट, लिव लव लॉफ ने अपने ग्रामीण मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का विस्तार मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में किया है। यह कार्यक्रम जिले के सौसर ब्लॉक के 131 गाँवों में रहने वाले 1200 मानसिक बीमारी से पीड़ित लोग और उनके परिवार वालों को सहयोग देगा। एलएलएल का ग्रामीण कार्यक्रम तीन राज्यों में छः स्थानों - देवनगिरी, गुलबर्ग, मैसूर (कर्नाटक), लक्ष्मीपुर, नारायणपटना (ओडिशा), और थिरुवल्लूर (तमिलनाडु), पर काम कर रहा है, जिससे ग्रामीण समुदायों में 10,000 से ज्यादा लोगों को लाभ मिल रहा है। नेशनल मेंटल हैल्थ सर्वे मध्य प्रदेश रिपोर्ट 2015-16 के अनुसार मानसिक विकारों का आजीवन प्रसार 16.7त्न है और कुल मिलाकर, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज की कमी राज्य में 91त्न तक है।

''मध्यप्रदेश में हमारी पहुँच के विस्तार से मौजूदा प्रभाव के आधार पर अपने कार्यक्रम का विस्तार करते हुए और ज्यादा समुदायों को सेवा देने की हमारी भावना प्रदर्शित होती है। हम पूरे देश, खासकर भारत के ग्रामीण समुदायों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की जागरुकता व उपलब्धता बढ़ाने एवं उन्हें किफायती बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम चाहते हैं कि हमारे प्रमाणित ग्रामीण कार्यक्रम मॉडल का लाभ हर समुदाय को मिले।''

क्रिशका स्ट्रैपिंग सॉल्यूशंस ने आय में उल्लेखनीय वृद्धि और मार्केट उपस्थिति में विस्तार की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। हाईटेंसिल स्टील स्ट्रेप्स, स्ट्रैपिंगसील्स और स्ट्रैपिंग टूल्स की निर्माता और होलसेलर,क्रिशकास्ट्रैपिंगसॉल्यूशंस लिमिटेड (एनएसई कोड) ने वित्त वर्ष 23 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणाम की घोषणा की है । प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर,श्री लेनिन कृष्णमूर्ति बालामणिकंदन ने कहा, हम सहर्ष हमारी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की घोषणा करते हैं, जो वित्त वर्ष 22 की तुलना में चौगुनी है,जोहमारी व्यूहनीतियों की प्रभावकारिता और हमारी मार्केट स्थिति की मजबूती को दर्शाती है । आय में इस पर्याप्त वृद्धि से हमारे लाभ में 6 गुना वृद्धि हुई है, जो मार्केट अवसरों का उपयोग करने और टिकाऊ वृद्धि की ओर ले जाने की हमारी क्षमता पर प्रकाश डालती है । कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 में कुल मिलाकर लगभग 31त्न क्षमता उपयोग हासिल किया । इस समय प्लांट 60त्न क्षमता पर ऑपरेट कर रहा है, इसके बढ़कर 15त्न होने की उम्मीद है । इसके अलावा मांग से उत्साहित होकर कंपनी विस्तार कर रही है जिससे क्षमता दुगनी हो जाएगी और नवंबर 2023 से ऑपरेशनल होगी ।000

जेम्स कैमरून और जॉन लैंडो ने 'अवतार: द वे ऑफ वॉटर' के निर्माण से जुड़ी उन्नत तकनीक के बारे में बात की

मुंबई, एजेंसी। एकेडमी अवार्ड-विजेता जेम्स कैमरून ने 13 साल पहले अपनी बेमिसाल फिल्म अवतार के साथ दर्शकों को एक ऐसी दुनिया से रू-ब-रू कराया था, जो उससे पहले कभी नहीं देखी गई थी। और अब डिज़्नी+ हॉटस्टार उनकी इसी फिल्म का बहुप्रतीक्षित सीक्वल लेकर आया है, जिसका नाम है अवतार : द वे ऑफ वॉटर । यह फिल्म 7 जून को डिज़्नी+हॉटस्टार रिलीज की गई। अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में उपलब्ध इस फिल्म में पानी के अंदर की एक नई रोमांचक दुनिया को दिखाया गया है , जो निश्चित रूप से दर्शकों को एक बार फिर से मंत्रमुग्ध कर देगी। सैम वर्थिंगटन और ज़ो सल्डाना इस फिल्म में जेक सली और नितिरी के अपने मूल किरदार के साथ वापसी कर रहे हैं। ये दोनों अब पैरेंट्स बन चुके हैं और अपने परिवार की हिफाजत के लिये किसी भी हद तक जायेंगे। इनके साथ ही, सिंगरौने वीवर, स्टीफन लैंग, क्लिफ कर्टिस और एकेडमी अवार्ड विजेता केट विंसलेट जैसे प्रतिष्ठित कलाकार भी इस फिल्म में प्रमुख भूमिकाओं को निभाते नजर आयेंगे। इस फिल्म का स्क्रीनप्ले जेम्स कैमरून, रिक जेफा, अमांडा सिल्वर, जोश फ्रीडमैन, और शेन सैलेनों ने मिलकर लिखा है , जिसमें कहानी के सार को बयां किया गया है, जबकि कैमरून और जॉन लैंडो इस फिल्म के प्रोड्यूसर्स हैं। सीक्वेल के लिये कहानी के साथ, कैमरून और लैंडो ने फिल्म के प्रमुख डिपार्टमेंट हेड्स को उन तरीकों एवंतकनीकों को उपलब्ध कराने की चुनौती दी, जो कैमरून को पर्दे पर और भी ज्यादा प्रभावशाली किरदारों को निर्मित करने और उन्हें एक ऐसी दुनिया में दिखाने में सक्षम बनाये, जो अपनी अद्भुत डिजाइन के बावजूद, बिल्कुल वास्तविक प्रतीत हो। इसका परिणाम यह हुआ कि प्रोड्क्शन शुरू होने के साथ ही कैमरून के पास टेक्नोलॉजी टूल्स का एक बिल्कुल नया सूइट था।

फ्लिपकार्ट ने पेश किया ग्लैम अप फैस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने खुद को ब्यूटी एवं ग्रूमिंग की दुनिया में पसंदीदा मंजलि के तौर मजबूत बनाने की दिशा में प्रयासों को जारी रखते हुए अपना पहला ऑन-ग्राउंड ग्लैम अप फैस्ट आयोजित करने की घोषणा की है फ्लिपकार्ट पर साल के इस सबसे प्रतीक्षित शॉपिंग इवेन्ट्स में से एक ग्लैम अप फैस्ट का आयोजन 16 जून को ग्रैंड हयात मुंबई में शुरू हो रहा है इस ऑन-ग्राउंड इवेंट के दौरान, ब्यूटी के कद्रदानों को मिलेगा अभूतपूर्व अनुभव। इस फैस्ट के मंच पर अनेक ब्यूटी एवं ग्रूमिंग ब्रैंड्स, सेलीब्रेटीज के अलावा करीब 300 इंफ्लुएंसर्स भी हिस्सा ले रहे हैं जो इस शॉपिंग उत्सव को और भी जानदार बनाएंगे। आगामी ग्लैम अप फैस्ट के बारे में कंचन मिश्रा सीनियर डायरेक्टर कंज्यूमेबल्स होम एंड जनरल मर्चेंडाइज फ्लिपकार्ट ने कहा फ्लिपकार्ट में हमें फ्लिपकार्ट ग्लैम अप फैस्ट का आयोजन और ऐप पर सेल की शुरुआत करते हुए बेहद खुशी है इवेंट के दौरान मल्टी ब्रैंड लॉन्च विभिन्न विषयों पर पैनल चर्चाएं इमर्सिव ब्रैंड अनुभव और कई रोमांचकारी गठबंधनों को साकार होते देखा जा सकेगा यह फैस्ट देश के समकालीन ब्यूटी लैंडस्केप में निश्चित ही एक रोमांचकारी घटना है देशभर में अपने ग्राहकों के लिए ब्यूटी एवं लाइफ्स्टाइल शॉपिंग के अनुभवों में अभूतपूर्व मूल्यवर्धन करने की अपनी प्रतिबद्धता के चलते, फ्लिपकार्ट की ग्लैम अप सेल और ग्लैम अप फैस्ट इस दिशा में हमारे निरंतर जारी प्रयासों को दर्शाते हैं।

भारती फाउंडेशन के द टीचर एप द्वारा टीचर्स समर फेस्ट का आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारती एंटरप्राइजेज की परोपकारी शाखा, भारती फाउंडेशन ने आज अपनी नई तकनीकी पहल, द टीचरएप पर आयोजित होने वाले वर्चुअल टीचर्स समर फेस्ट के लॉन्च की घोषणा की। पूरे भारत में आयोजित होने वाला यह 10-दिवसीय समर फेस्ट 21 जून, 2023 से शुरू होगा। दिल्ली की कहानीकार और शिक्षक प्रशिक्षक डॉ. जयश्री सेठी, और प्रसिद्ध अभिनेत्री सुश्री चोइती घोष इस समर फेस्ट के विशेषज्ञों के रूप में समर फेस्ट के थीम थिएटर एंड स्टोरीटेलिंग इन एजुकेशन से संबंधित विभिन्न विषयों को कवर करेंगी। वे इसके लिए हिंगलिश में आयोजित वेबिनार, थिएटर गेम्स और पैनल डिस्कशन के माध्यम का प्रयोग करेंगी। भारत सरकार ने समग्र शिक्षा के लिए केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत 5 जुलाई 2021 को निपुन (नेशनल इनिशिएटिव फॉर प्रोफिशिएंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमरेसी) भारत मिशन का शुभारंभ किया था।

भारत से पलायन कर रहे हैं करोड़पति ? देश छोड़ने को तैयार 6500 अमीर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत से करोड़पतियों का पलायन जारी है। 6 हजार से करोड़पति इस साल देश छोड़ने को तैयार हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अनुमानित 6,500 हाई-नेट-वर्थ इंडिविजुअल्स (एचएनआई) के 2023 में भारत से बाहर जाने की संभावना है। करोड़पतियों के देश छोड़ने के मामले में भारत का नंबर चीन के बाद है। सबसे ज्यादा करोड़पति चीन छोड़कर बाहर के देशों में जा रहे हैं।

हेनली प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन की 2023 की एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। यह फर्म दुनिया भर में पैसों और निवेश के ट्रेंड्स पर नजर रखती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के करोड़पतियों की यह संख्या 2022 की तुलना में 13 प्रतिशत कम है। पिछले साल 7,500 अमीरों के भारत छोड़ने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन इस वर्ष 13,500 करोड़पतियों को खो देगा। भारत इस मामले में दूसरे नंबर पर है। करोड़पतियों के देश छोड़ने के मामले में ब्रिटेन (3,200) तीसरे और रूस (3000) चौथे नंबर पर है।

इन्वेस्टमेंट कंसल्टेंसी फर्म हेनले एंड पार्टनर्स के मुताबिक हाई-नेट-वर्थ

इंडिविजुअल्स वे शख्स हैं जिनके पास 1 मिलियन डॉलर (या 8.22 करोड़ रुपये) की निवेश योग्य संपत्ति है। इसने कहा कि नए करोड़पति पैदा करने की भारत की क्षमता को देखते हुए, यह कोई चिंता की बात नहीं है। भारत के पास हर साल नए करोड़पतियों को पैदा करने की क्षमता है।

रिपोर्ट के अनुसार, हाई-नेट-वर्थ वाली व्यक्तिगत आबादी 2031 तक 80 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करेगी। इस अवधि के दौरान भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते वेल्थ मार्केट में से एक होगा। यह वृद्धि मुख्य रूप से देश के भीतर संपन्न वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों द्वारा संचालित होगी।फर्म में निजी ग्राहकों के समूह प्रमुख डोमिनिक वोलेक ने कहा, हालिया और लगातार उथल-पुथल एक बदलाव का कारण बना है। ज्यादातर निवेशक अपने परिवारों को सुरक्षा से लेकर शिक्षा, हेल्थ सर्विस, जलवायु परिवर्तन और यहां तक कि क्रिप्टो फ्रेंडली माहौल जैसे कारणों को लेकर किसी और देश में बसने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के हाई टैक्स कानून के साथ-साथ आउटबाउंड रेमिटेंस से संबंधित और ऐसे अन्य मुद्दे हैं जिसके चलते करोड़पति भारतीयों ने भारत से अपने निवेश को दूसरे देश में ले जाने के लिए मजबूर किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमीर भारतीय परिवारों के लिए दुबई और सिंगापुर सबसे पसंदीदा स्थान हैं। गोल्डन वीजा प्रोग्राम जैसे प्रोत्साहन, अनुकूल टैक्स का माहौल, मजबूत व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र और सुरक्षित, शांतिपूर्ण वातावरण जैसी सुविधाओं ने इन देशों को बसने के लिए शीर्ष स्थान बनाया है। सिंगापुर और दुबई के अलावा, ऑस्ट्रेलिया भी पसंदीदा देश है। ऐसे अमीरों की लिस्ट में ब्रिटेन, इंडोनेशिया और मेक्सिको जैसे देश भी शामिल हैं।

शेयर बाजार से जल्दी पैसा कमाने का यह तरीका 10 में से नौ को करा रहा नुकसान

सेबी की यह रिपोर्ट खोल देगी आंखें

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के वायदा सौदों में रिकॉर्ड निवेश हो रहा है। मई माह में निफ्टी और बैंक निफ्टी में वायदा कारोबार रिकॉर्ड 5.65 अरब अनुबंधों तक पहुंच गया। इससे बैंक निफ्टी नई ऊंचाई पर पहुंच गया, वहीं निफ्टी भी अपने रिकॉर्ड के आसपास बना रहा। वायदा सौदों में बड़ा जोखिम होने के बावजूद छोटे निवेशक मोटी कमाई की उम्मीद में यहां जमकर पैसा लगा रहे हैं। सेबी की एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 90 फीसदी निवेशकों ने वायदा कारोबार में पैसा गंवाया है।

आंकड़ों के अनुसार, 10 में से नौ निवेशक फ्यूचर और ऑप्शन ट्रेडिंग में नुकसान उठाते हैं। ऐसे प्रत्येक निवेशक ने औसतन 50 हजार रुपये का नुकसान झेला है। यह स्थिति तब है जब बाजार नियामक सेबी वायदा सौदों को लेकर समय-समय पर निवेशकों को सजग करने के लिए दिशा-निर्देश जारी करता रहता है।

सेबी के आंकड़ों के अनुसार, फ्यूचर्स और ऑप्शंस सौदों में व्यक्तिगत निवेशकों ने लगातार पैसे गंवाए हैं। साल 2021-22 के दौरान औसतन घाटा प्रति निवेशक 1.1 लाख रुपये रहा था। ये आंकड़े शीर्ष-10 शेयर ब्रोकर फर्म के अध्ययन से जुटाए गए हैं। एक ब्रोकर ने बताया कि शुद्ध घाटे के अलावा, लेन-देन की लागत के कारण भी अधिकतर निवेशक नुकसान में ही रहते हैं।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर ही वायदा कारोबार वर्ष 2018-19 के 8.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में 109 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। एनएसई पर इंडेक्स और स्टॉक ऑप्शंस का औसत दैनिक प्रीमियम 46,444 करोड़ है। हर सेकेंड औसतन करीब दो करोड़ रुपये के वायदा अनुबंध बेचे और खरीदे जाते हैं।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि जल्द पैसा बनाने की उम्मीद में आम लोग भी वायदा कारोबार में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। शेयर बाजार के ट्रेनिंग कोर्स की भरमार होने से भी लोगों का ध्यान इस ओर अधिक गया है। नौकरीपेशा, सेवानिवृत्त, अध्यापक से लेकर घरेलू महिलाएं और कॉलेज छात्र तक इसमें पैसा लगा रहे हैं। वायदा सौदों का प्रीमियम बहुत कम होने की वजह से लोग पैसा लगाने को तैयार हो जाते हैं लेकिन बाजार की जानकारी कम होने के कारण अधिकांश नुकसान ही उठाते हैं।

अब चीन की नहीं बल्कि भारतीय कंपनी बन जाएगी एमजी मोटर इंडिया

सज्जन जिंदल 48 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के प्रेसिडेंट सज्जन जिंदल ऑटोमोबाइल कंपनी एमजी मोटर इंडिया में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने जा रहे हैं। सज्जन जिंदल, एक प्राइवेटली-ओन्ड कंपनी के जरिए एमजी मोटर में हिस्सेदारी खरीद सकते हैं। एमजी मोटर इंडिया, शंघाई बेस्ड एसएआइसी मोटर की सहायक कंपनी है। सूत्रों के हवाले से यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है।

सज्जन जिंदल, एमजी मोटर इंडिया में 45-48 पर्सेंट हिस्सेदारी ले सकते हैं। वहीं, डीलर्स और इंडियन एंप्लॉयीज की कंपनी में 5-8 पर्सेंट हिस्सेदारी हो सकती है। बातचीत की जानकारी रखने वाले सूत्रों के मुताबिक, बाकी की हिस्सेदारी एसएआइसी मोटर के पास रहेगी। सूत्रों ने यह बात स्पष्ट की है कि जेएसडब्ल्यू ग्रुप की लिस्टेड कंपनियां जेएसडब्ल्यू स्टील और जेएसडब्ल्यू एनर्जी इस वेंचर में शामिल नहीं होंगी।

डील में टॉप मैनेजमेंट का बड़ा हिस्सा

इस डील को लेकर एक सीनियर गवर्नमेंट अधिकार ने बताया कि अगले कुछ सालों में भारत की लिस्टिंग के साथ ये चीनी यूनिट की बजाय एक भारतीय यूनिट बन जाएगी। माना जा रहा है कि इस डील में कंपनी की टॉप मैनेजमेंट और बोर्ड में शामिल भारतीयों का बड़ा हिस्सा होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, ईटी ने 13 जून को रिपोर्ट की थी कि चीनी मोबाइल फोन मैन्युफैक्चर्स से भी अनुरोध किया गया है कि वे अपने भारतीय ऑपरेशंस में इंडियन इक्विटी पार्टनर और सीनियर मैनेजमेंट को भी शामिल करें।

वरिष्ठ पत्रकारकैलाशवासी रमन अग्रवालकी 70 वीं जन्मजयंती पर ग्वालियर व रतलाम में हुए अनेक कार्यक्रम

ग्वालियर। स्वर्गीय अग्रवाल जी की जन्मजयंती पर ग्वालियर के निकट ग्राम मकौड़ा(डबरा) में बच्चो को निशुल्क चॉकलेट , बिस्कुट एवं जूस का निशुल्क वितरण किया गया एवं ग्वालियर शहर में सड़क पर गुजर बसर करने वालों को भीषण गर्मी को ध्यान में रख कर शीतल जल के लिए निशुल्क मिट्टी के मटकों का वितरण भी किया गया । इस कार्यक्रम में अनुभव रमन अग्रवाल , राहुल जैन , सौरव गुप्ता , सुशील चौरसिया, गगन जाधव, अंश अनिल गुप्ता ,वंश अनिल गुप्ता एवं जितेंद्र यादव जौरासी विशेष रूप से उपस्थित थे।

रतलाम के ग्रामीण क्षेत्र में कैलाशवासी अग्रवाल जी की जयंती पर महावृक्षारोपण कार्य का आरंभ किया गया । इस कार्यक्रम के तहत रतलाम क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र में बहने वाली मलेनी नदी के किनारे हजारों पेड़ लगाने का कार्य किया जाएगा। इस कार्यक्रम में युवा जनसेवक टीम जावरा के लखन पंवार , सत्यनारायण गोप एवं अन्य ग्रामीण क्षेत्र के लोग विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर बच्चों को निशुल्क चॉकलेट एवं बिस्कुट इत्यादि का वितरण भी किया गया।

ऐडमम द्वारा राज्य स्तरीय सहभागियों के साथ बैठक

भोपाल। ऑल इंडिया दलित महिला अधिकार मंच- एनसीडीएचआर के तत्वाधान में आज आईकफ आश्रम, भोपाल में एक दिवसीय राज्य स्तरीय ऐडमम के मूल्यांकन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ऑल इंडिया दलित महिला अधिकार मंच दलित महिलाओं के ऊपर होने वाले शोषण के विरुद्ध 2006 से ही कार्य कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य दलित महिलाओं को न्याय प्रदान करना तथा उनके सामाजिक आर्थिक और राजनैतिक अधिकारों को सुनिश्चित करना है । ऐडमम दलित महिलाओं को राजनैतिक रूप से सशक्त करने के लिए उन्हें प्रशिक्षण भी प्रदान करता है । इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के तौर पर मूल्यांकन अधिकारी कल्पना जी ने भाग लिया तथा नैशनल टीम ऐडमम-एनसीडीचार से सुश्री सीमा, सुश्री पूनम ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में रिटायर्ड जज एमडी जामुल्कर, वरिष्ठ अधिवक्ता बीपी बंशल एवं अन्य अधिवक्ता तथा मध्य प्रदेश के 6 जिलों से दलित महिला लीडर्स, यूथ लीडर्स, दलित महिला सरपंच, सामाजिक कार्यकर्ता तथा मीडिया कर्मियों ने भाग लिया तथा अलग अलग केसों से संबंधित पीड़ित

परिवार ने भी भाग लिया। इसके साथ ही ऐडमम के 7 कार्यकर्ता राज्य समन्वयक गायत्री सोनकर, जिला समन्वयक सुशील प्रजापति, द्रोपती, मीना पँवार तथा स्वयं सेवक- नीतू ईमले, खुशबू और साधना ने भाग लिया। कुल 72 सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे । कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. बाबा साहब अंबेडकर की फोटो पर पुष्प अर्पित कर के किया गया। सर्वप्रथम इस कार्यक्रम में अलग- अलग घटनाओं से संबंधित पीड़ित परिवारों ने जज और अन्य अतिथियों के समक्ष मामलों को रखा जिनमें रीटायर्ड जज ने उन्हें सुझाव दिया कि किस तरह से उन्हें न्याय दिलाया जा सकता है तथा केस से संबंधित कागजातों के संबंध में भी सुझाव दिए। इसके उपरांत दलित अधिवक्ताओं ने अपने- अपने कार्य से संबंधित कुछ अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान दलित महिला प्रधानों ने अपने अपने ग्राम पंचायत के विकास से संबंधित आने वाली चुनौतियों को भी साझा किया। दलित महिला सरपंचों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उनके सहयोग के लिए जो सरकारी सचिव होतें हैं वे उनके कार्यों में बाधा डालते हैं तथा मनमानी करते हैं। बजट से संबंधित भी उन्हें कई सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कार्यक्रम में उपस्थित यूथ लीडर्स ने ऐडमम के साथ अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि जब से उन्होंने ऐडमम के यूथ कार्यक्रम में ट्रैनिंग लिया है उसके बाद उनमें काफी बदलाव आया है, अब वे अपने गाँव की समस्याओं को लेकर बेहद जागरूक हैं, पहले से उनमें काफी आत्मविश्वास आया है तथा वे अपने अधिकारों और मानव अधिकारों को समझने में सक्षम हैं । इस

दो सरकारी बैंकों ने अपने ग्राहकों दी विशेष सुविधा

पंजाब नेशनल बैंक ने यूपीआई-123पे सुविधा शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक ने यूपीआई-123पे सुविधा शुरू की है। इसकी मदद से ग्राहक बिना इंटरनेट किसी को भी भुगतान कर सकेंगे। इस सुविधा को शुरू करने वाला पीएनबी सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक बन गया है। इससे पहले कुछ निजी बैंकों ने यह सेवा शुरू की थी।

बैंक की ओर से डिजिटल पेमेंट विजन 2025 के तहत इस सेवा को शुरू किया गया है। बैंक के एमडी और सीईओ ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में आज भी कीपैड फोन का इस्तेमाल होता है। इस सेवा से ग्राहक पूरे भारत में किसी को भी भुगतान कर पाएगा। इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने मेरा खाता मेरा नाम नाम से नई सुविधा शुरू की है। इसके तहत बैंक के ग्राहक खाता संख्या के रूप में कोई भी नाम इस्तेमाल कर सकेंगे। इस योजना की शुरुआत चेन्नई स्थित केंद्रीय कार्यालय से की गई है। यह सुविधा पूरे देश में

आईओबी के सभी 49 क्षेत्रीय कार्यालयों में उपलब्ध होगी। शुरू में यह सेवा बचत और वेतन खाते के ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगी। बैंक सीईओ ने कहा कि बैंकिंग उद्योग में यह अपनी तरह की पहली योजना है। योजना के अनुसार, खाते का नाम सात अक्षरों, या सात संख्याओं, या सात अक्षरों और संख्याओं का मिश्रण हो सकता है। ग्राहकों को अपने 15 अंकों की खाता संख्या को याद रखने की आवश्यकता नहीं होगी।

टैली सोल्युशन्स ने 2 गुना विकास की योजना बनाई, टैली प्राइम 3.0 का लॉन्च किया- सादगी का नया अवतार

मुंबई, एजेंसी। भारत के प्रमुख बिज़नेस मैनेजमेन्ट सॉफ्टवेयर प्रदाता टैली सोल्युशन्स ने आज टैली प्राइम 3.0 के लॉन्च की घोषणा की है। इस नई रिलीज़ के साथ टैली जीएसटी समाधानों में सुधार लाते हुए बिज़नसेज़ की रिपोर्टिंग क्षमता को बेहतर बनाने के लिए तैयार है। इसकी मदद से बिज़नसेज़ को अपनी बकाया राशि तेज़ी से जुटाने में मदद मिलेगी। टैली सोल्युशन्स को उम्मीद है कि यह रिलीज़ अगले कुछ सालों में कंपनी के राजस्व को दोगुना करने और इसके कस्टमर्स की संख्या को 2.3 से 3.5 मिलियन तक पहुंचाने में मदद करेगी।

इस लॉन्च पर बात करते हुए तेजस गोयंका, मैनेजिंग डायरेक्टर, टैली सोल्युशन्स ने कहा, ''6 साल पहले जीएसटी की शुरूआत के बाद से सरकार द्वारा कम्प्लायन्स सिस्टम को आसान और सख्त बनाने के लिए कई बदलाव लाए गए हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए हम जीएसटी अनुभव में सुधार लेकर आए हैं, हमने इसे बिज़नसेज़ के लिए बेहद फ्लेक्सिबल बनाया है, ताकि वे पूरे आत्मविश्वास के साथ सिस्टम का अनुपालन कर सकें। हमने रिपोर्टिंग सिस्टम को बेहतर बनाया है और आसानी से सर्च एवं सेव करने वाले फीचर्स के साथ अनलिमिटेड कस्टम रिपोर्ट्स जनरेट करने की क्षमता विकसित की है। अपने कस्टमर्स के लिए इन समाधानों का लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है, इसका इस्तेमाल कर वे निश्चित रूप से विकास के पथ पर बढ़ सकेंगे।''

मल्टी-जीएसटीआईएन क्षमता के साथ टैली प्राइम 3.0 के यूज़र एक ही टैली कंपनी में मल्टीपल जीएसटीआईएन डेटा को मैनेज कर सकेंगे, जिससे कस्टमर्स के लिए अपने बिज़नेस डेटा को मेंटेन रखना आसान हो जाएगा। नई रीलीज़ जीएसटी रिटर्न जनरेट करने तथा जीएसटीआर 1, 2 ए एवं 3 बी के रीकन्साइलेशन के लिए ज़बरदस्त स्पीड देती है, इससे ये सभी काम बड़ी आसानी से हो जाते हैं। इसमें डिजिटल पेमेंट रिक्वेस्ट का फीचर भी है, जिसकी मदद से बिज़नसेज़ के लिए अपना संचालन और पैमाना बढ़ाना सरल हो जाता है। बिज़नसेज़ इनवॉयस एवं अन्य रिपोर्ट्स में पेमेंट लिंक या क्यूआर कोड शामिल कर सकते हैं। वहीं कस्टमर्स भी अपने पसंदीदा मोड जैसे डोमेस्टिक या इंटरनेशनल डेबिट एवं क्रेडिट कार्ड, ईएमआई, पे लेटर, नैट बैंकिंग, यूपीआई या मोबाइल वॉलेट के ज़रिए आसानी से पेमेंट कर सकते हैं। इस तरह पेमेंट की स्पीड बढ़ती है और बिज़नेस मालिकों के लिए कैश फ्लो की समस्या हल हो जाती है। टैली ने पेयू और रेज़रपे को अपना पेमेंट गेटवे पार्टनर भी बनाया है।

टैली प्राइम का रिपोर्टिंग सिस्टम पहले से बेहद मजबूत है, जो नए रिपोर्ट्स फिल्टर्स के साथ और भी सक्षम हो गया है, जहां एक क्लिक के साथ रिपोर्ट में डेटा फिल्टर किया जा सकता है, जिससे बिज़नेस को मैनेज करना कहीं अधिक आसान हो जाता है। इस प्रोडक्ट में कई पावरफुल फीचर्स हैं जैसे पावरफुल गो टू कैं साथ नया बेहतर अनुभव, प्रोडक्ट में ई-वे बिल या ई-इनवॉयस जनरेट करने के लिए कनेक्टेड क्षमता, चेंज व्यू, बेसिस ऑफ वैल्यूज़, एक्सेप्शन रिपोर्ट्स और सेव व्यू के साथ अधिक अडेप्टेबल रिपोर्टिंग अनुभव। कुल मिलाकर टैली प्राइम 3.0 सिस्टम को अधिक सरल एवं दक्ष बनाता है। इसका नया वर्ज़न एक्टिव टीएसएस सब्सक्रिप्शन के साथ यूज़र्स के लिए निःशुल्क उपलब्ध है।

तीन दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी का समापन, अंशिता शर्मा रही विशेष केंद्र

भोपाल। कला प्रवाह भोपाल द्वारा रवींद्र भवन में आयोजित तीन दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी का समापन कल मंगलवार को बड़े धूम धाम से सम्पन्न हुआ इस आयोजन में में कई प्रतिभागियों ने बड़ चढ़कर हिस्सा लिया 7 वर्षीय छोटी बच्ची अंशिता शर्मा इस आयोजन में आयोजकों व गणमान्य अतिथियों का विशेष केंद्र बनी रही समापन के दोरान अयोजको द्वारा भाग लेने वाले आर्टिस्टों को स्मृति चिन्ह व प्रमाणपत्र बाटे गये।

ठेकेदार के द्वारा बिना पुलिया बनाए पुलिया की बॉल हो रही खड़ी

चांद। छिन्दवाड़ा से चांद मार्ग जो कि एस्कॉन कम्पनी के द्वारा बनाया जा रहा है, हरनाखेडी शाहपुरा के बीच में नाला की पुलिया जो की पूरी तरह से खराब हो चुकी है, यह पुलिया मुख्य मार्ग की पुलिया है जिसमे प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आना जाना है, यह पुलिया के टूटने का खतरा बहुत ज्यादा है जो की बारिश में कभी भी गिर सकती है और यह पुलिया नव निर्माण हेतु सैक्शन भी है, लेकिन ठेकेदार के द्वारा इस पुलिया को कई बार बोलने के बाद भी बनाया नही जा रहा तथा विभाग के द्वारा किसी भी प्रकार से कोई प्रतिक्रिया नही की गइ और अब तो ठेकेदार के द्वारा बिना पुलिया बनाए पुलिया की बॉल को खड़ा किया जा रहा है , अतः संज्ञान में लेकर पुलिया का जल्द से जल्द निर्माण किया जाए।

हर दिल ध्यान, हर दिन ध्यान से जुड़ रहे आम जन

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद एवं हार्डफूलनेश संस्थान हैदराबाद के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित एकात्म अभियान हर दिल ध्यान हर दिन ध्यान के अंतर्गत छिंदवाड़ा जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक कुलदीप सिंह ठाकुर ब्लॉक समन्वयक अखिलेश जैन ,राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त समाजसेवी विनोद तिवारी एवम अशीष साहू के कुशल मार्गदर्शन में वार्ड नंबर 23 आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 95, छिंदवाड़ा में ध्यान एवं योग का प्रशिक्षण दिया गया, जिसके अंतर्गत सभी लोगों को हाथ फुलनेस के तहत किए जाने वाले ध्यान, सफाई और हार्टफुलनेस प्रार्थना की जानकारी देते हुए, ध्यान का अनुभव कराया गया, जिसमें श्री पांडुरंगा आंध्र प्रदेश द्वारा ध्यान, उसका महत्व, उसकी विधियां योग मुद्राएं तथा ध्यान से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण छोटी-छोटी बारीकियों की जानकारी देते हुए प्रथम दिवस प्रशिक्षण कार्य संपन्न कराया गया, जिसमें बहुउद्देशीय शैक्षणिक विकास समिति छिंदवाड़ा के सदस्यगण, परामर्शदाता श्री विनोद तिवारी एवं आशीष साहू आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रेखा चौकी प्राथमिक माध्यमिक शाला की शिक्षिकाएं तथा आसपास के वार्ड वासी उपस्थित रहे।

हर्षित युवा कांग्रेस का जिला महासचिव मनोनीत

छिन्दवाड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार जिला युवक कांग्रेस में महासचिव पद पर नियुक्ति की गई है। कांग्रेस संगठन के प्रति निष्ठावान व जुझारू कार्यकर्ता को महासचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे की अनुशंसा के उपरांत जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष एकलव्य यहके द्वारा युवक कांग्रेस के पदाधिकारी हर्षित सातनकर को युवा कांग्रेस का जिला महासचिव मनोनीत किया है। हर्षित ने अपनी नियुक्ति के प्रति कमलनाथ व नकुलनाथ सहित समस्त विधायकगण व कांग्रेस के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों का आभार माना है।

रक्तदान के फायदे के बारे में विस्तृत जानकारी दी

छिंदवाड़ा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जीसी चौरसिया के मार्गदर्शन में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामबाग में विशेष स्वास्थ्य दिवस के अंतर्गत विश्व रक्तदान दिवस कार्यशाला का आयोजन किया गया। डाक्टर प्रमोद वासनिक जिला मिडिया अधिकारी द्वारा रक्तदान के फायदे के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। रक्तदान करने से हार्टअटैक की संभावना कम होती है, कैंसर के ख़तरे कम होते है,नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है,लीवर से जुड़ी समास्याओं में राहत मिलती है एवं दिल के लिए फायदेमंद है। जब अपनो को रक्त की जरूरत पड़ती है तब रक्तदान का महत्व समझ आता है इसलिए स्वस्थ व्यक्ति जिसका वजन 45 किलोग्राम से अधिक हैं और उम्र 18 से 65 बर्ष की है तो प्रत्येक 3 माह में एक बार रक्तदान कर सकता हैं। डाक्टर जीसी चौरसिया ने आम जनता से अपील की है कि आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी के जीवन लिए वरदान हो सकता है इसलिए रक्तदान करें ताकि जरूरतमंद को समय पर रक्त मिल जाए जिससे उसकी जान बचाई जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय समपार जागरुकता दिवस

छिंदवाड़ा। श्रीमती नमिता त्रिपाठी मंडल रेल प्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर के नेतृत्व में मंडल के संरक्षा विभाग के द्वारा दिनांक 10 से 16 जून 2023 तक समपार फाटक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत दिनांक 13 जून 2023 को संरक्षा , सिविल डिफेंस स्वयंसेवाक के द्वारा नागपुर-दुर्ग, गोंदिया- चंदाफोर्ट, नैनपुर-छिंदवाड़ा, नागपुर-छिंदवाड़ा, गोंदिया-जबलपुर, कन्हान-रामटेक और कलमना-कोराडी खंडों में कुल 31 गेटों तथा इसके अलावा ग्राम पंचायत में जाकर लोगों को पंपलेट वितरण करके लोगों को सही तरीके से समपार पार करने 7साथ ही समपार फाटक पार करते समय गाडी को धीमा चलाने, सिग्नल हरा होने पर ही आगे बढने, फाटक बंद हो तो खुलने का इंतजार करने तथा फाटक पार करते समय मोबाइल का प्रयोग नहीं करने का परामर्श दिया गया।

कतिया समाज की वार्षिक आम सभा18 जनू को

छिंदवाड़ा। कतिया समाज कल्याण संस्था जिला छिंदवाड़ा के तत्वावधान में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी कतिया समाज की वार्षिक आम सभा का आयोजन दिनांक 18 जून को दोपहर 12 बजे से सरोज वाटिका लान कुंडा रोड चौरई में आयोजित किया जाना सुनिश्चित किया गया है जिसमें समाज विकास हेतु अनेक महत्वपूर्ण उद्देश्यों पर चर्चा करने उपरांत आगामी वर्ष में होने वाले वार्षिक कार्यक्रमों का निर्धारण जैसे, युवक-युवती परिचय सम्मेलन, तथा सामूहिक आदर्श विवाह, प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान करने, लोक कला मंच का उपलब्ध कराने के साथ ही संस्था के आय-व्यय का चिट्ठा भी प्रस्तुत किया जाना है !

अस्पताल के मरीज बेहाल, निजी हास्पिटल में सेवाएं देने तुरंत पहुंच जाते हैं एसआर

सर्जरी, हड्डी, एनेस्थीसिया, गायनिक के चिकित्सक कर रहे प्राईवेट प्रैक्टिस, डीन का इन पर कोई नियंत्रण नहीं

छिंदवाड़ा। मेडीकल कॉलेज के चिकित्सक द्वारा प्राईवेट हास्पिटलों में प्रैक्टिस के चलते जिला अस्पताल में मरीजों के हाल बेहाल हैं मेडीकल कॉलेज के डीन जी.बी.रामटेके का इन्हें संरक्षण प्राप्त है 20 से 25 ऐसे एस.आर हैं जो शहर के विभिन्न प्राईवेट अस्पतालों में प्रैक्टिस कर रहे हैं और बकायदा इन अस्पतालों में इनके नाम के बोर्ड लगे हुए हैं जबकि नियम है कि वे प्राईवेट प्रैक्टिस नहीं कर सकते हैं। लेकिन इन पर डीन का नियंत्रण नही है। बताया जाता है कि सभी रोगों के विशेषज्ञ एस.आर. जिनमें सर्जरी, हड्डी, एनेस्थीसिया, गायनिक और बच्चो के विभाग के हैं एस.आर.निजी अस्पतालों में प्रैक्टिस करते हुए देखे जा सकते हैं। ये अस्पताल में भर्ती मरीजों को देखने में लापरवाही करते हैं लेकिन निजी अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रहे हैं ऐसा लगता है कि इन्हें डीन का संरक्षण प्राप्त है। जिला चिकित्सालय में आए दिन मेडीकल कॉलेज के चिकित्सकों द्वारा भर्ती मरीजों की सर्जरी समय पर नहीं करने को लेकर शिकायतें आम बात है। हड्डी रोग के विशेषज्ञ अस्पताल में अपने समय पर नहीं बैठते हैं। मरीज इलाज कराने के लिए इधर उधर भटकते रहते हैं। लेकिन निजी अस्पताल से अटैच ये चिकित्सक को यदि वहां से फोन आए जाए तो जिला अस्पताल जाने के बजाए निजी अस्पताल चले जाते हैं। अस्पताल में मरीज इनकी रास्ता देखते रहते हैं। कुछ सीआर तो ऐसे हैं जो अस्पताल में भर्ती मरीजों को सीधे निजी क्लिीनिक में आने की सलाह देते हैं कि तुम्हारा अच्छा इलाज हो जाएगा। जब तक इन पर नियंत्रण नहीं लगेगा अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ इलाज में की जा रही लापरवाही बनी रहेगी। इस संबंध में डीन को फोन किया गया उन्होने फोन नहीं उठाया।

सीएल देने के बाद अपसेंट लगा देते

मेडीकल कॉलेज के चिकित्सकों को सीएल लेने का अधिकार है लेकिन कॉलेज के डीन सीएल देने के बाद चिकित्सकों की अपसेंट लगा देते हैं और उनका वेतन काट लेते हैं। चिकित्सकों का कहना है कि डीन जानबूझकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं बताया जाता है कि चिकित्सकों का सीएल लेने का अधिकार है जिसमें अनुमति की जरूरत नहीं पड़ती है। चिकित्सकों को डीन द्वारा जानबूझकर लापरवाह बनाया जा रहा है। जिसका विरोध हो रहा है।

सम्मान से जन सेवा करने वालों को मिलती है प्रेरणा: यशपाल शर्मा

जन परिषद द्वारा भोपाल में डॉक्टर पुष्पेंद्र बघेल सम्मानित

छिंदवाड़ा । रचनात्मक कार्यों के अग्रणी संस्था समाजिक संस्था जन परिषद के भोपाल में 34 वे वार्षिक समारोह में जिले के सुप्रसिद्ध एलिट अस्पताल के डायरेक्टर यूरोलॉजी सर्जन डॉक्टर पुष्पेंद्र बघेल को विशिष्ट सेवाओं के लिए बॉलीवुड के अभिनेता यशपाल शर्मा एवं अन्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। डा. बघेल विगत 3 वर्षों से छिंदवाड़ा के एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट यूरोलॉजिस्ट है ,वे सभी तरह की यूरोलॉजी सर्जरी कर रहे हैं पिछले वर्षों में उन्होंने 5000 से ज्यादा सर्जरी कर चुके इस अवसर पर यशपाल शर्मा ने कहा कि सम्मान से जनसेवा करने वाले समाज के लोगों को प्रेरणा मिलती है ,जन परिषद 34 वर्षों से कार्य कर रही है वह सराहनीय है। कार्यक्रम में अन्य अतिथियों में फिल्म अभिनेता राजीव वर्मा, जस्टिस एस के पालो,चक दे इंडिया फेम हॉकी के ओलंपियन मीर रंजन नेगी,वरिष्ठ चिकित्सक सुबोध वैष्णव मिसेज इंडिया सिद्धी जौहरी श्रीमती भूमिका सिंह एवं अन्य उपस्थित थे। संस्था के अध्यक्ष पूर्व डीजीपी एन के त्रिपाठी संयोजक रामजी श्रीवास्तव ने संचालन किया। पूर्व आईएएस अधिकारी जी पी श्रीवास्तव उपस्थित थे। आकृति मेहरा ने गायन प्रस्तुत किया और कोषाध्यक्ष महेंद्र जोशी ने प्रतिवेदन पढ़ा। अजात शत्रु ने आभार माना।

रसोई गैस सिलेंडर ब्लास्ट से मकान जलकर राख

छिंदवाड़ा/चांदामेटा। नगर पंचायत चांदामेटा के वार्ड नंबर आठ में बुधवार को दोपहर एक मकान में रसोई गैस सिलेंडर ब्लास्ट से मकान जलकर राख हो गया । आग इतनी तेजी से फैली कि निवासियों के पास मकान छोड़कर भागने के अलावा कोई विकल्प ही नहीं था । खबर ओर नगर पंचयत की दमकल मौके पर पहुंची लेकिन तब तक देर ही चुकी थी तो भी फायर ब्रिगेड से ही आग काबू की गई है। जानकारी के अनुसार सिलेंडर में पहले आग लगी और कंट्रोल नहीं हुई मकान कच्चा था तो छत ने आग पकड़ ली और फिर पूरे मकान में फैल गई इस बीच सिलेंडर भी ब्लास्ट हो गया । चांदामेटा वार्ड नंबर -8 के निवासी विश्वकर्मा परिवार के मकान में यह हादसा हुआ है । हादसे में घर में रखे 15 हजार नगद सहित गृहस्थी का सारा सामान खाक हो गया है अब हालात ये है कि विश्वकर्मा परिवार के पास तन और पहने कपड़े ही बचे हैं । घटना में किसी तरह की खबर मिलते ही , नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद बिजोलिया दमकल वाहन लेकर मोके पर पहुंचे थे । पीड़ित ओमप्रकाश विश्वकर्मा मनिहारी का धंधा करता है । बुधवार को घर पर ग्यारस की पूजा थी मेहमान भी थे घर पर भोजन बनाया जा रहा था कि सिलेंडर के आग पकड़ लेने से हादसा हो गया । सिलेंडर ब्लास्ट होने से बड़ा धमाका भी हुआ जिससे मोहल्ले में दहशत फैल गई थी। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए । खबर लगते ही नगर पालिका अध्यक्ष गोबिंद बिजोलिया दमकल वाहन लेकर मौके पर पहुंचे और बाहर फायर से किसी तरह आग पर काबू पा लिया गया है। पीड़ित ओमप्रकाश विश्वकर्मा ने बताया कि हादसे में घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया । घर में रखें 15 हजार नकदी रुपए भी जल गए है । दस्तावेज में राशन कार्ड, आधार कार्ड, मार्कशीट वगैरह भी जल गए है । स्थानीय लोगों ने भी आग को बुझाने में मदद की विधायक मोहन वाल्मीक ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दिलाने की बात कही है। चांदामेटा पुलिस घटना की जांच कर रही है ।

हाथ ठेला चालकों से नगर निगम द्वारा अवैध वसूली को कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा। जिला मुख्यालय छिंदवाड़ा में हाथ ठेला चालकों से नगर निगम द्वारा शुल्क वसूली एवं जिला अस्पताल में अवैध वसूली होने के चलते राष्ट्रीय क्रांति मोर्चा छिंदवाड़ा ने कलेक्टर महोदय के नाम सौंपा ज्ञापन और जल्द से जल्द यह अवैध वसूली बंद करने की मांग क्योंकि राष्ट्रीय क्रांति मोर्चा द्वारा पहले भी कलेक्टर महोदय को ज्ञापन दे चुका है परंतु यह अभी तक थमा नहीं है जबकि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा घोषणा की जा चुकी है नगर में रोज होने वाली वसूली बंद हो और निगम या पुलिस की कार्रवाई में हाथ ठेला जब्त नहीं किया जाए उसके बावजूद भी उनके साथ दुर्व्यवहार एवं अपशब्दों का प्रयोग किया जाता है और पैसे नहीं देने पर धमकी दी जाती है इस हेतु कलेक्टर महोदय को इस समस्या से अवगत कराया गया और शासन प्रशासन से मांग रखी कि समस्या का निराकरण जल्द से जल्द हो अन्यथा बड़ी संख्या में राष्ट्रीय क्रांति मोर्चा के साथी पहुंचकर देगें धरना जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी इस बीच राष्ट्रीय क्रांति मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष संजय विश्वकर्मा जी राष्ट्रीय क्रांति मोर्चा जिला अध्यक्ष आकाश धुर्वे जी कमलनाथ सिरसाम जी रामभरोस वीके रंजीत सिरसाम देवेंद्र इवनती तुलसी धुर्वे छोटू भाई उपस्थित रहे।।

तेलंगाना का छिंदवाड़ा में प्रवेश

बीआरएसपार्टी में शामिल हुए पूर्व विधायक रामदास उईके

छिंदवाड़ा। पूर्व विधायक रामदास उईके तेलंगाना की बीआरएस पार्टी में शामिल हो एग हैं। उन्होने बताया कि बीआरएस पार्टी का अब प्रदेश में विस्तार हो रहा है। प्रदेश समन्वयक बुद्धसेन पटेल पूर्व सांसद के नेतृत्व में प्रदेश के सभी प्रमुख नेता, पदाधिकारियों को हैदराबाद बुलाकर मीटिंग लेकर पार्टी के प्रमुख प्रदेश के सीएम के.सी.आर. ने कहा कि भारत में हर क्षेत्र में बदलाव की आवश्यकता है। कांग्रेस, भाजपा दोनो पार्टियों को पूरे देश की जनता ने 75 वर्ष मौका दिया लेकि आज भी मूलभूत सुविधाएं और विकास के लिए जनता तरस रही है। उन्होने कहा अब पूरे मध्यप्रदेश की 230 सीटों पर दमखम के साथ चुनाव लड़ा जाएगा। और जनता को तीसरा विकल्प देंगे। श्री उईके ने बताया कि महाकौशल क्षेत्र के 40 प्रमुख लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली।

इतवारी- रीवा ट्रेन को बनारस तक बढ़ाये जाने की मांग

छिंदवाड़ा। ईतवारी-रीवा ट्रेन जो छिंदवाड़ा होते हुये चल रही है इस ट्रेन को बनारस तक बढाये जाने की मांग वार्ड नं. 15 के अशोक साहू एवं जितेन्द्र बटाबिया ने रेल मंत्री को पत्र लिखकर की है, बनारस तक जाने से इलाहबाद एवं बनारस तक का सफर आसान हो जायेगा। इस ट्रेन के चलने से भेड़ाघाट, मैहर, चित्रकूट, इलाहबाद एवं बनारस तक के यात्रियों को धार्मिक पर्यटन का फायदा मिलेगा। काशी विश्वनाथ के दर्शन एवं गंगा स्नान आसान हो जावेगा। नागपुर से बनारस के लिए अभी कोई सीधी ट्रेन नहीं अत: भविष्य में इस ट्रेन को आगे तक बढाया जाना चाहिये।

आम महोत्सव का शुभारंभ

मोबाइल वेन में बिकेंगे बगैर रसायन के पके आम

कलेक्टर श्रीमती पटले ने नाबार्ड की मोबाइल वेन को हरी दिखाई

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा नाबार्ड की मोबाइल वेन को हरी झंडी दिखाकर जिले में आम महोत्सव का शुभारंभ किया गया । यह मोबाइल वेन विकासखंड छिंदवाड़ा के रिहाईशी इलाकों में 3 दिन तक विभिन्न प्रकार के आमों जैसे लंगड़ा, केसर, दशहरी आदि की बिक्री करेगी। इन सभी आमों को पकाने में किसी भी तरह के रसायन का उपयोग नहीं किया गया है और सीधा किसान के बगीचे से शहरवासियों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर ओ.पी.सनोडिया, नाबार्ड की जिला विकास प्रबंधक श्रीमती श्वेता सिंह, उप संचालक कृषि जितेन्द्र कुमार सिंह, उप संचालक उद्यानिकी एम.एल.ऊईके और सृजन एफ़ओपी के सदस्यगण उपस्थित थे।राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की जिला विकास प्रबंधक श्रीमती श्वेता सिंह ने बताया कि नाबार्ड द्वारा अपनी आदिवासी विकास निधि के अंतर्गत जिले के 66 हजार 976 आदिवासी परिवारों को लाभान्वित करने के लिए बाड़ी परियोजना के अंतर्गत लगभग 64 हजार 322 बाड़ियों को बढ़ावा दिया गया है। ये आदिवासी परिवार जिनमें से कई किसान उत्पादक संगठनों के अंतर्गत संगठित किये गये हैं और अच्छी गुणवत्ता व रसायनमुक्त आमों के साथ ही इसके सह उत्पादों का भी उत्पादन करते हैं। उन्होंने बताया कि आम महोत्सव नाबार्ड की एक विकास व अभिनव पहल है जिसका उद्देश्य आदिवासी किसानों व किसान उत्पादक संगठनों के सदस्यों को उनके उत्पादों के विपणन में मदद करने के साथ ही बाज़ार की पहुँच उपलब्ध कराने में सहायता देना है। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय आम महोत्सव में नाबार्ड द्वारा संवर्धित एवं सृजन संस्था द्वारा संचालित जिले के विकासखंड मोहखेड़ की बाड़ी परियोजना से कोफे-किसान उत्पादक संगठन द्वारा विभिन्न प्रकार के आमों की बिक्री की व्यवस्था मोबाइल वेन के माध्यम से की गई है ।

बास्केटबाल, कबड्डी और एथलेक्टिस प्रवेश के लिये 19 व 20 जून को टेलेन्ट सर्च का आयोजन

छिन्दवाड़ा। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य श्री सतेन्द्र सिंह मरकाम द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में जिले के आदिवासी विकासखंड तामिया स्थित खेल परिसर में अनुसूचित जनजाति संवर्ग के मिनी, जूनियर व सीनियर आयु वर्ग के छात्रों को कक्षा छठवीं, नवमीं व ग्यारहवीं में बास्केटबाल, कबड्डी और एथलेक्टिस में प्रवेश दिया जायेगा । इसके लिये खेल परिसर तामिया में आगामी 19 व 20 जून को टेलेन्ट सर्च का आयोजन किया गया है। प्रवेश के लिए केवल अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों के आवेदन ही स्वीकार्य किये जायेंगे । विकासखंड शिक्षा अधिकारी तामिया ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत 19 व 20 जून को शारीरिक और बैटरी टेस्ट के माध्यम से छात्रों का चयन किया जायेगा। उपस्थित छात्रों को प्रवेश फार्म पूर्ण रूप से भरकर जमा करना होगा जिसमें दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड, समग्र आईडी, स्थाई जाति प्रमाण पत्र, प्रोफाईल पंजीयन, पूर्व कक्षा उत्तीर्ण की अकंसूची, बैंक खाता का विवरण आदि दस्तावेज संलग्न करना होगा। कक्षा 6वीं, 9वीं व 11वीं में प्रवेश के लिये छात्रों को आवेदन फार्म के साथ राष्ट्रीय, प्रदेश व जिला स्तरीय खेल के प्रमाण पत्र आवेदन फार्म के साथ संलग्न करना अनिवार्य है । आवेदन फार्म के साथ संलग्न किये जाने वाले दस्तावेजों की सूची खेल परिसर तामिया के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

हज यात्रियों का जत्था मक्का के लिए हुआ रवाना नगर वासियों ने दी शुभकामनाएं

अमरवाड़ा। नगर के प्रतिष्ठित नागरिक पूर्व सदर अंजुमन कमेटी शेख मुख्तार खान और उनकी बेगम शाहनवाज हज यात्रा मक्का मदीना के लिए रवाना हुए जहां अमरवाड़ा नगर के गणमान्य नागरिकों के द्वारा उनके निवास पर पहुंचकर बुधवार को शुभकामनाएं प्रेषित की गई इस मौके पर पुष्प हार पहनाकर शेख मुख्तियार खान इस्तकबाल किया गया इस अवसर पर हाफिज सहाव पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेम नारायण ठाकुर वरिष्ठ एडवोकेट अशोक तिवारी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष देवेंद्र जैन कैलाश जैन सलीम खान पंडित धन कुमार जैन विनोद चौरसिया राजेंद्र सोनी अजीत जैन संतोष नामदेव संतोष नेमा प्रमोद नेमा राजू नेमा प्रदीप पप्पू साहू मुकेश ठाकुर अरविंद ठाकुर पप्पू विश्वकर्मा अंकुर जैन समद सहित बड़ी संख्या में नगर वासियों और समाज बंधुओं ने शुभकामनाएं प्रेषित की और मक्का मदीना हज यात्रा सफल हो ऐसी कामना की वहीं अमरवाड़ा से नागपुर एयरपोर्ट के लिए जत्था रवाना हुआ जहां जगह-जगह स्वागत किया गया

वादाखिलाफी कर आरक्षण खत्म करने का विरोध

माझी मछुआ समाजे राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा। म. प्र. में माझी मछुआ समाज के साथ शासन द्वारा वादाखिलाफी कर आरक्षण खत्म कर जाति धंधे में गैर लोगों को प्रवेश करने पर अंकुश लगाने सहित अनेक समस्याओं को लेकर प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश फिशरमेन (मछुआ) कांग्रेस सदाशिव बाबरिया के निर्देश पर जिला फिशरमेन (मछुआ) कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामकुमार सिंगारे के नेतृत्व में फिशरमेन कांग्रेस के पदाधिकारियों ने महामहिम राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर समाज के साथ हो रहे अनेक समस्याओं पर ध्यानाकर्षण कराया और विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि म.प्र. में निवास करने वाले माझी मछुआ समाज, जिन्हें कहार, भोई, ढीमर, केवट, नाविक, मल्लाह, निषाद, सिंगराह, सिंघरोड़ा, उपनाम रायकवार, बाथम, कश्यप, बर्मन का पैतृक रुप से जातिगत व्यवसाय मछली पालन, मत्स्याखेट, नाव चालन करना एवं नदी-तालाबों से निकली जमीनों पर खरबुजा, तरबुज लगाना प्रमुख काम है। और यह समाज आर्थिक और शैक्षणिक रुप से कमजोर है। यह समाज सदियों से भारत भूमि का मूल निवासी है। यह लोग आरंभ से ही नदी पहाड़ो जलाशयों के करीब रहते आये है। और इनके रहन-सहन और खान-पान में आदिम युग की झलक देखी जा सकती है। श्री सिंगारे ने आगे भी बताया कि देश आजाद होने के बाद से ही संविधान में माझी जाति के नाम पर अनुसूचित जनजाति का आरक्षण भी दिया गया है। जिसमें कुछ किन्तु परन्तु लगाकर यह आरक्षण सन् 1949-50 से लगातार मिलता भी रहा है। किन्तु प्रदेश की भाजपा सरकार ने अचानक 1 जनवरी 2018 से यह आरक्षण ख़त्म कर दिया है।

समर कैम्प में स्वच्छता सहित पर्यावरण की गूंज

निगम कमिश्नर ने पढ़ाया स्वच्छता का पाठ, दीपकराज जैन ने दिलाई शपथ

छिन्दवाड़ा। भीषण ग्रीष्मकाल होने के पश्चात भी बच्चों में कुछ न कुछ सीखने एवं करने की चाहत होती है और इस चाहत को पूर्ण करने के लिए वे समर केंम्प में जाकर अपनी अपनी रुचि अनुसार कलाओं के माहिर हो जाते है।ऐसे ही शानदार एवं सफल समर केंम्प का दस दिवसीय आयोजन किया नगर के परासिया रोड स्थित बचपन प्ले स्कूल के संचालक राजा जैन एवं राहुल जैन द्वारा किया गया। जिसका विधिवत समापन समारोह बुधवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यकर्मो के साथ पुरस्कार वितरण कर किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि निगम कमिश्नर राहुल सिंह एवं मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षैत्रिय अधिकारी के. एन. कटारे उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश सयोंजक एवं स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर दीपकराज ने की।समारोह में निगम कमिश्नर श्री सिंह ने विद्यार्थियों सहित अभिभावकों को स्वच्छता का महत्व बताया तो क्षैत्रिय अधिकारी श्री कटारे ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का पूर्णता वहिष्कार एवं प्लास्टिक की जगह कपड़े की थैली का उपयोग करने की अपील की। स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर दीपकराज जैन ने सभी को स्वच्छता का संकल्प दिलाकर स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में नगर पालिक निगम का सहयोग करने का अनुनय किया। सफल संचालन रुचि जैन एवं आभार प्रदर्शन प्राचार्य निधि जैन द्वारा किया गया।दस दिवसीय समर केंम्प में ड्राविंग, आर्ट × क्राफ्ट, जुंबा, पर्सोनालिटी देवेलोपमेंट आदि विधाएं बच्चो को सिखाई गई। जिसमें ड्राविंग क्लास श्रीमति ऋतु गोयल, आर्ट × क्राफ्ट कुमारी संस्कृति जैन, जुंबा कुमारी निधि राय, पर्सोनालिटी डेवलोपमेंट श्रीमति रुचि जैन , मैनेजमेंट स्टाफ् कुमारी रक्षा जैन, कुमारी दीक्षा जैन, श्रीमति सुरभि जैन द्वारा विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। जिसमे प्रथम दिव्यांश, भूमिजा गिरी, एवं सीनियर मे प्रथम एकलव्य , दितीय अनँया साहू एवं तृतीय अन्वि अग्रवाल रहीं। ड्राविंग प्रतियोगिता मे प्रथम शुभ जैन, द्वितीय शिवि जैन एवं तृतीय आरोही जैन रहीं जिन्हें अतिथियों के हस्ते सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान दीपकराज जैन ने सभी अतिथियों सहित विजेताओं का जलपात्र भेंट कर अभिनन्दन किया एवं ग्रीष्मकाल को देखते हुए उसमें पशु - पक्षियों के लिए दाना - पानी रखने की अपील कर सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी

फोटो
सी-4

भाजपा की रणनीतिः

राज्यसभा से आए मंत्रियों को 2024 में लड़वा सकती है चुनाव

नई दिल्ली। बीजेपी अगले लोकसभा चुनाव में अपने कई दिग्?गज मंत्रियों को चुनाव मैदान में उतार सकती है. बीजेपी नेतृत्व किसी भी नेता को दो बार से अधिक राज्यसभा भेजने के पक्ष में नहीं है और इसीलिए राज्यसभा के रास्ते मंत्रिपरिषद में मौजूद कई नेताओं को चुनाव के मैदान में उतर कर सीधे जनता से आशीर्वाद मांगने को कहा जा सकता है। इसी के मद्देनजर राज्यसभा के जरिए मंत्री बने कई नेताओं ने लोकसभा चुनाव की लड़ाई की तैयारी शुरू भी कर दी है. इसी के साथ बीजेपी बड़ी संख्या में अपने मौजूदा लोकसभा सांसदों का टिकट भी काट सकती है।

खासतौर से उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में ऐसा बड़े पैमाने पर हो सकता है. उनकी जगह युवा उम्मीदवारों को जगह दी जा सकती है. वैसे भी 75 पार से ऊपर के नेताओं को चुनावी राजनीति से हटाने के बीजेपी के अघोषित नियम के तहत कई मौजूदा सांसदों और मंत्रियों पर तलवार लटक रही है।

पहले बात उन मंत्रियों की करते हैं जो राज्य सभा के सांसद हैं. दरअसल, मुख्तार अब्बास नकवी को कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था, क्योंकि वे दो बार राज्यसभा सांसद थे और पार्टी ने उन्हें तीसरी बार राज्य सभा नहीं दी. इसी के बाद से ऐसे मंत्रियों पर फोकस है, जो दो या उससे अधिक बार से राज्यसभा के सांसद हैं. कई ऐसे मंत्री भी हैं जो चाहे राज्य सभा में पहली बार आए हों, लेकिन पार्टी उनकी लोकप्रियता का लाभ उठाने के लिए उन्हें लोक सभा चुनाव में खड़ा कर सकती है।

दो या उससे अधिक बार राज्य सभा पाने वाले सात मंत्री हैं, जो कि इस समय केंद्रीय मंत्रिपरिषद में हैं. पहली बार राज्य सभा में आए मगर राजनीति में अनुभवी इन मंत्रियों पर भी नजर है. इन्हें लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कहा जा सकता है. इन मंत्रियों को कई कठिन लोक सभा सीटों की जिम्मेदारी भी दी गई है. महासंपर्क अभियान के तहत भी इन्हें जमीन पर उतारा गया है. इसी के साथ रोजगार मेलों में भी इन मंत्रियों की मौजूदगी अहम रही है।

इन मंत्रियों ने उन राज्यों में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है, जहां से उनके लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावना हो सकती है. दो या उससे अधिक बार राज्य सभा में आए मंत्रियों में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, मत्स्य पालन मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी शामिल हैं।

इनके अलावा कुछ ऐसे मंत्री भी हैं, जिनका चुनावी राजनीति में अनुभव है, लेकिन फिलहाल वे राज्यसभा में हैं. इनमें नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, एमएसएमई मंत्री नारायण राणे और आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल शामिल हैं. इनके अलावा दो ऐसे मंत्री हैं, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से गहरी छाप छोड़ी है. इनमें विदेश मंत्री एस जयशंकर और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्रियों की सक्रियता बढ़ी

कई केंद्रीय मंत्रियों ने उन राज्यों में सक्रियता बढ़ा दी है, जहां से वे चुनाव लड़ सकते हैं. धर्मेंद्र प्रधान दो बार राज्य सभा में आ चुके हैं. उनका राज्यसभा कार्यकाल मार्च 2024 तक है. उन्होंने अपने गृह राज्य ओडिशा में सक्रियता बढ़ा दी है. भूपेंद्र यादव का भी यह दूसरा कार्यकाल है. राज्यसभा में मार्च 2024 में उनका कार्यकाल समाप्त होगा. यादव हरियाणा और राजस्थान में सक्रिय हैं. वहीं मनसुख मांडविया का यह दूसरा कार्यकाल है. मार्च 2024 में उनका कार्यकाल खत्म होगा और यह उनका दूसरा कार्यकाल है. मांडविया गुजरात से चुनाव लड़ सकते हैं।

सिंधिया और राणे भी लड़ सकते हैं चुनाव

ज्योतिरादित्य सिंधिया लोकसभा सांसद रह चुके हैं. सिंधिया गुना से चुनाव हार गए थे. वे एक बार फिर लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं. वहीं सर्वानंद सोनोवाल असम के सीएम रह चुके हैं. उन्हें असम से चुनाव लड़ाया जा सकता है. सोनोवाल लोकसभा सांसद और विधायक भी रह चुके हैं. इनमें साथ नारायण राणे महाराष्ट्र के सीएम रह चुके हैं. उनका राज्य सभा कार्यकाल अप्रैल 2024 तक है और राणे की महाराष्ट्र में काफी अच्छी पकड़ भी है।

निर्मला सीतारमण तमिलनाडु में सक्रिय

वहीं पुरुषोत्तम रूपाला का यह तीसरा कार्यकाल है, जो मार्च 2024 में खत्म हो रहा है. रूपाला अपने गृह राज्य गुजरात में सक्रिय हैं. पीयूष गोयल का भी यह तीसरा कार्यकाल है. उनका कार्यकाल जुलाई 2028 तक है और चुनाव लड़ने की बाध्यता नहीं है. वहीं निर्मला सीतारमण का यह तीसरा कार्यकाल है. पहला कार्यकाल केवल दो साल का था और मौजूदा कार्यकाल जून 2028 तक है. सीतारमण तमिलनाडु में काफी सक्रिय हैं।

टिकट काट सकती है बीजेपी

मिशन 2024 में जुटी बीजेपी कई मौजूदा लोक सभा सांसदों के टिकट भी काट सकती है. खासतौर से उन राज्यों में जहां उसे बंपर जीत मिली थी. बीजेपी ने सांसदों के प्रदर्शन पर लगातार नजर रखी है, जिन सांसदों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है, उनकी छुट्टी हो सकती है. कई सांसद 75 साल के करीब पहुंच गए हैं, उनका भी टिकट कट सकता है. नए चेहरों को मौका देने से लोगों की नाराजगी दूर की जा सकती है।

कर्नाटक में 11 सांसदों के कट सकते हैं टिकट

बीजेपी सूत्रों के अनुसार कर्नाटक में कई बीजेपी सांसदों का टिकट काटा जा सकता है. कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बीजेपी को हार झेलनी पड़ी थी और कई सांसदों पर तलवार लटकी हुई है. विधानसभा चुनाव में उनके क्षेत्र में बीजेपी का प्रदर्शन अच्?छा नहीं रहा था. राज्य की 28 में से 25 सीटों पर भाजपा सांसद हैं. इनमें से करीब 11 सांसदों को टिकट काटे जा सकते हैं. इनमें से कुछ सांसद खराब सेहत का हवाला देकर खुद ही मना भी कर चुके हैं. कई अन्य सांसदों का प्रदर्शन ठीक नहीं माना जा रहा है, वहीं दो सांसद ऐसे भी जो 75 के नजदीक हैं।

कटनी जिले के विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पूर्व मंत्री एवं लोकप्रिय विधायक श्री संजय पाठक द्वारा हरिहर तीर्थधाम के निर्माण की दिशा में बढ़ते कदम को मूर्तरूप देने के लिए परमपूज्य जगतगुरू रामभद्राचार्य जी की आयोजित विशाल कथा में भाग लेकर गुरूजी से आशीर्वाद लेते हुए, साथ में गुरुजी के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास जी महाराज।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के साथ आज उनके वाहन चालक रामसजीवन ने पौधारोपण किया।

चिंतन शिविरः सीमा बलों को अवैध अतिक्रमण गतिविधियों पर पर नजर रखने को कहा गया

नयी दिल्ली। पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और अन्य पड़ोसी देशों की सीमाओं पर मोर्चे पर तैनात सीमा सुरक्षा बलों को ''अवैध अतिक्रमण'' और उन संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है जो राष्ट्र के लिए सुरक्षा खतरा पैदा कर सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सोमवार को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) में कार्यरत आईपीएस अधिकारियों के 'चिंतन शिविर' के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा की गई और कार्य योजना को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इन बलों के शीर्ष अधिकारियों और अन्य वरिष्ठ कमांडरों को अपने संबंधित क्षेत्रों में किसी भी अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी निगरानी रखने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि यदि किसी संदिग्ध प्रतिष्ठान या केंद्र का पता चलता है, तो खुफिया ब्यूरो (आईबी) और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) जैसी केंद्रीय एजेंसियों को ''तुरंत'' सूचित किया जाना चाहिए।

मंत्रालय ने यह भी निर्देश दिया कि बलों को इस साल दिसंबर तक अपने सभी ''गैर-सामान्य ड्यूटी'' पदों को भरना चाहिए और भर्ती नियमों में संशोधन किया जाना चाहिए ताकि राज्य बोर्ड पास उम्मीदवारों को उनके संबंधित क्षेत्रों में होने वाली सीएपीएफ परीक्षाओं में ''प्राथमिकता'' दी जा सके। गैर-सामान्य पद प्रशासनिक और सहायता सेवाओं से संबंधित हैं जो इन बलों के सशस्त्र लड़ाकों को विभिन्न प्रकार के आंतरिक सुरक्षा कर्तव्यों के अलावा नक्सल विरोधी और आतंकवाद विरोधी अभियानों के अपने प्राथमिक कार्य को पूरा करने में सहायता करते हैं।

जवानों और ग्राउंड कमांडरों को चिंतन शिविर से दूर रखा गया

बीएसएफ के पूर्व एडीजी एसके सूद बताते हैं, उन अफसरों को इस शिविर में बुलाया जाना चाहिए, जिन्हें केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की गहराई से जानकारी हो। चाहे कोई भी फोर्स हो, उसमें ऑपरेशनल ट्रूप्स और सिस्टम, बहुत अहम होता है। इसके बारे में ग्राउंड कमांडर को ही ज्यादा मालूम होता है। वजह, ये लोग जवानों के सीधे कॉन्टैक्ट में होते हैं। बॉर्डर या किसी दूसरे क्षेत्र में किसी भी ऑपरेशन के दौरान कौन सी दिक्कतें आ रही हैं, उन्हें ग्राउंड कमांडर बेहतर तरीके से जानते और समझते हैं। जवानों की निजी समस्याएं भी होती हैं।

स्थानांतरण नीति के नाम पर सरकार ने किया कर्मचारियों के साथ छलावाः कर्मचारी मंच

भोपाल। राज्य सरकार ने स्थानांतरण से रोक हटाकर कर्मचारियों के साथ छलावा किया है इस स्थानांतरण नीति से कर्मचारियों को राजनीतिक द्वेष भावना से प्रताड़ित किया जाएगा इस स्थानांतरण नीति का प्रदेश के 7लाख 50हजार कर्मचारियों में से किसी को भी लाभ नहीं होगा मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग करी है कि स्थानांतरण नीति वर्ष 2021 के अनुरूप जारी की जाए जिससे प्रदेश के कर्मचारियों को स्थानांतरण नीति का वास्तविक लाभ मिल सके।

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि राज्य सरकार ने आज आदेश जारी करके जिले के अंदर ही स्थान स्थानांतरण करने के आदेश जारी करें है जिले के अंदर स्थानांतरण तो पूर्व से ही जिले के अधिकारी स्वयं विवेक से या प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से कर रहे थे स्थानीय व्यवस्था के आधार पर कर रहे थे अब नए आदेश जारी होने से चुनावी वर्ष में राजनेता कर्मचारियों को दोषपूर्ण भावना से स्थानांतरित करेंगे।

कर्मचारियों को स्थानांतरण नीति से जो वास्तविक लाभ मिलना चाहिए वह नहीं मिलेगा क्योंकि कर्मचारी अपने स्वास्थ्य कारणों, परिवारिक कारणों या समस्याओं के कारण स्थानातरण कराता था और एक जिले से दूसरे जिले में स्थानांतरण कराता था लेकिन यह पहली बार हुआ है कि सरकार ने जिले के अंदर ही कर्मचारियों अधिकारियों का स्थानातरण करने के लिए स्थानांतरण नीति जारी करी है स्थानांतरण नीति कर्मचारी हित में नहीं है प्रदेश का कर्मचारी स्थानांतरण नीति 2023 में संशोधन की पुरजोर मांग राज्य सरकार से कर रहा है।

वेबसीरीज पंचायत से सुर्खियों में आई पानी की टंकी तीन साल से खाली

भोपाल। चर्चित वेबसीरीज पंचायत में फुलेरा गांव की टंकी दिखाई गई है, जिसमें सरपंच की बेटी रिंकी और ग्राम सचिव अभिषेक त्रिपाठी की पहली मुलाकात हुई थी। इस दृश्य के साथ ही फुलेरा की टंकी लोगों के मानस पटल पर अंकित हो गई है। वेबसीरीज में यूपी के बलिया जिले के जिस फुलेरा पंचायत का दृश्य दिखाया गया है। असल में वह मप्र में राजधानी भोपाल से सटे सीहोर जिले के महोड़िया गांव का है। दृश्य में बार-बार दिखाई गई पानी की टंकी वास्तव में यहां के ग्रामीणों के लिए एक शो-पीस ही है। यह गांव सीहोर जिला मुख्यालय से महज 10 किमी की दूरी पर है। 3200 की आबादी वाले इस गांव में आज तक नल से पीने के पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो सकी है।

तीन साल पहले टंकी बनी, लेकिन नल नहीं लगे। यहां के लोग पानी के लिए भटकते हैं। कई परिवार पानी के लिए टैंकर पर निर्भर है। वहीं कुछ परिवारों में महिलाएं एक किमी दूर स्थित गांव से सिर पर पानी रखकर लाती हैं। यहां बोरवेल और कुआं भी है लेकिन उसमें पानी नहीं है। यदि कुछ में भी तो उसमें खारापन अधिक है, जिसे पीने के लिए उपयोग नहीं कर सकते। नवदुनिया के संवाददाता ने पंचायत के वास्तविक सरपंच और सचिव से बातचीत कर वहां की समस्याओं को जाना।

शो-पीस बनी पानी की टंकी

लगा है जल ही जीवन है का बोर्ड

गांव की सड़क पर एक बोर्ड लगा है जिसमें लिखा है जल ही जीवन है। लेकिन जब जल ही नहीं तो जीवन कैसा होगा? यह तो गांव वाले ही समझ सकते हैं। गांव वाले बताते हैं कि गांव की सबसे बड़ी समस्या पानी है। हमें दूसरे गांव और पानी के टैंकर पर ही आश्रित होना पड़ता है। एक टैंकर का पानी पांच सौ रुपये में आता है। वहीं खेती करने में तो पसीने छूट जाते हैं। असल में इस गांव में पानी नहीं रहता है। यहां की जमीन सूखी है। कई लोगों के घर में कुएं और बोरवेल भी है लेकिन वो अन्य लोगों को पैसे देकर ही पानी देते हैं।

पीने के पानी के लिए दूसरों पर आश्रित

महोड़िया के सचिव हरीश जोशी बताते हैं कि गांव में पानी की समस्या 10 वर्ष से चली आ रही है। तीन वर्ष पहले यहां जल जीवन मिशन योजना शुरू की थी जिसकी गति धीमी है। मेरे स्तर पर मैं बार-बार ठेकेदार को कह चुका हूं लेकिन काम पूरा नहीं हो रहा है। कुछ ग्रामीणों के पास कुएं और बोरवेल हैं। आबादी वाले क्षेत्र में पानी नहीं आता है यदि आता भी है तो उसमें खारापन अधिक होता है। लोग ऐसे पानी का उपयोग कपड़े और बर्तन धोने में ही करते हैं। पीने के पानी के लिए दूसरों पर आश्रित होना पड़ता है। कई लोग रुपये लेकर पानी देते हैं।

भोपाल में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

कलेक्टर ने यातायात को लेकर शहर का किया भ्रमण

भोपाल। राजधानी में आज पार्किंग व्यवस्था और यातायात की व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर ने टीटी नगर क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि मेरे द्वारा एक माह पहले शहर के 17 स्थान चिन्हित किए गए थे जहां पर पार्किंग की समस्या आती है । उनका कितना पालन हुआ है। पुनः शहर उन्हीं स्थानों भ्रमण किया जा रहा है जिसकी शुरुआत टीटी नगर से की गई है। मौखिक रूप से सभी जगह के स्टीमेट तैयार कर दिए गए हैं कुछ के टेंडर लगे हुए हैं । और जहां पर कार्य हुआ है वहां पर पार्किंग और यातायात को लेकर क्या असर हुआ है। सभी स्थानों का निरीक्षण किया जायेगा। न्यू मार्केट में रिक्शा की व्यवस्था कर दी गई है। जहां पर पार्किंग में वाहन पहुंचने में ग्रिल आड़े आ रही थी वह ग्रिल काट दी गई है। जिससे पार्किंग स्थल पर वाहनों को पहुंचने में आसानी हो।

शासकीय अस्पतालों में मिलेगा एडवांस डेंटल ट्रीटमेंट

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा है कि शासकीय चिकित्सालयों में एडवांस डेंटल ट्रीटमेंट की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नई डेंटल क्लीनिक स्थापित की जा रही हैं। इनकी स्थापना के लिये 40 करोड़ रूपये की राशि मंजूर की गई है। अगले 2 माह की समय-सीमा में डेंटल यूनिट्स को क्रियाशील बनाने के लिये अधिकारियों को कहा गया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने बुधवार को मंत्रालय में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि नवीन डेंटल इकाइयों में रूट-केनाल ट्रीटमेंट, अक्कल दाड़ की सर्जरी, पायरिया का ट्रीटमेंट, जबड़ा फ्रेक्चर ट्रीटमेंट, छोटे बच्चों के दाँतों का ट्रीटमेंट विशेषकर छोटे बच्चों के दाँतों में होने वाली समस्याओं जैसे नस का उपचार, दाँत निकालना, पक्के दाँत आने तक दाँत की जगह सुरक्षित रखना, दाँतों में पस का उपचार, दाँतों की केविटी में पर्मानेंट फिलिंग सहित दाँतों की अन्य बीमारियों का ट्रीटमेंट शामिल है। उन्होंने कहा कि नवीन डेंटल क्लीनिक्स में 55 प्रकार के उपकरण उपलब्ध कराये जायेंगे। प्रत्येक जिला चिकित्सालय में 3 डेंटल चेयर के सेट, सिविल अस्पताल में 2 डेंटल चेयर सेट और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक डेंटल चेयर सेट रहेगा।

बाँधो की सुरक्षा में चूक बर्दाश्त नहीं होगी - जल संसाधन मंत्री सिलावट

भोपाल। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मंत्रालय में जल संसाधन विभाग की बैठक में निर्देश दिए कि बाँधो की सुरक्षा में किसी भी प्रकार से कोई भी लापरवाही नहीं होना चाहिए। इसके लिए अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय की जाए। बांध सुरक्षा, बाढ़ और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों के लिए वैकल्पिक प्लान तैयार कर के रखे। बड़े और मध्यम स्तर के बाँध के संरक्षण, सुरक्षा का भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट बनाई जाए। साथ ही सभी बाँध के गेट को खोलने और बंद करने के पूर्व सभी परिस्थितियों का आकलन कर लिया जाए। निर्माणाधीन परियोजना के संबंध में भी समीक्षा कर ली जाए। चेनल से पानी निकालने की व्यवस्था भी सुचारू बनाई जाए।

मंत्री सिलावट ने नहरों की सफाई और मरम्मत का काम 10 दिन में पूर्ण करने के लिए सभी बड़े बांधों पर अधिकारियों की तैनाती और जिम्मेदारी तय करने उन्होंने कहा कि भोपाल में कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए और सीसीटीवी कैमरे से भी सतत निगाह रखी जाए। किसी भी जलाशय में सीवेज़ और लीकेज की स्थिति तुरंत ठीक कर ली जाए। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि विगत 10 वर्ष में प्रदेश में अतिवृष्टि से उत्पन्न समस्याओं का अध्ययन कर उसके अनुसार कार्य-योजना तैयार की जाए।

महापौर मालती राय ने वार्ड 51 त्रिलांगा कॉलोनी रहवासी सोसाइटी में 12 लाख की लागत से सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया।